आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* विश्व आदिवासी (जनजाति) दिवस
* कामिका एकादशी

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 40 अंक 09 | इंदौर, रविवार 09 अगस्त, 2026 | श्रावण कृष्ण 11 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

आईआईटी में मोदी बोले- सिर्फ सवाल मत पूछिए, समाधान भी खोजें

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।' उन्होंने कहा, ह्यमैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें। पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।' इसके बाद सभी लोग हंसने लगे।

विस चुनाव से पहले बीजेपी ने संगठन में नई जिम्मेदारियां सौंपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं। वहीं बीजेपी भी तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने की पूरी तैयारी कर रही है। इस बीच पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र एवं मोर्चा प्रभारियों की घोषणा कर दी है। बताया जाता है कि यूपी बीजेपी में नई जिम्मेदारियों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने 6 क्षेत्रीय प्रभारियों और 7 मोर्चा प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की है। यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कई नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जिन्हें आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बेहद अहम माना जा रहा है।

राहुल गांधी का सरकार से सवाल- महिला आरक्षण लागू क्यों नही किया

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पास हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया था। लेकिन तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं किया गया है। राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में देरी क्यों हो रही है और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने सरकार से 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलने का मुद्दा विपक्ष उठाता रहा है और इसे पूरी तरह लागू करने की बात कहता रहा है। जबकि सरकार परिसीमन के जरिए लोकसभा सीटें बढ़ाकर इसे लागू करने की बात कह रही है।

सोनाक्षी सिन्हा पर बीजेपी-सनातन विरोधी एजेंडा चलाने का दावा

पोस्ट में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को अनफॉलो करने का जिक्र

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है। इसमें दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस बीजेपी और सनातन धर्म को बदनाम करने का एजेंडा चला रही हैं। पोस्ट में सीजेपी के छात्र प्रदर्शन को समर्थन देने, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा को कथित तौर पर धार्मिक वजह से अनफॉलो करने और फिल्मेकर आदित्य धर के उनके बर्गर वाले पोस्ट पर हंसने वाले रिएक्शन का जिक्र है। साथ ही दावा है कि सोनाक्षी झारखंड के छात्रों के मुद्दे पर चुप हैं। हालांकि, फैक्ट-चेक में सामने आया कि इन घटनाओं में कुछ बातें सही हैं, लेकिन इन्हें जोड़कर सोनाक्षी के किसी बीजेपी या सनातन विरोधी एजेंडे का ठोस सबूत नहीं मिलता। वायरल पोस्ट में सोनाक्षी सिन्हा पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पोस्ट के मुताबिक, सोनाक्षी ने सीजेपी के छात्र प्रदर्शन का समर्थन इसलिए किया क्योंकि मामला कथित तौर पर बीजेपी के खिलाफ था। वहीं, झारखंड के छात्रों के मुद्दे पर उनकी चुप्पी को लेकर भी सवाल उठाया गया है।

नैनो न्यूज

- थरूर ने कहा- आरएसएस की विचारधारा नहीं बदली, उनका मकसद देश को हिंदू राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाना, लेकिन भागवत का बयान बदलाव का संकेत।
- पाकिस्तान-सऊदी-तुर्किये के बीच नाटो जैसा रक्षा समझौता, एक पर हमला तीनों पर माना जाएगा, दुश्मनों से मिलकर निपटने का प्लान।
- भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ वाला बिल अमेरिकी सीनेट में पास, रूसी तेल खरीदने वाले 5 देशों पर कार्रवाई, 86 सांसदों ने पक्ष में वोट किया, 11 विरोध में।
- जापान में 200 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा डॉल्फिन तूफान, 2.6 लाख लोगों को घर छोड़ने का आदेश, टोयोटा ने 9 फैक्ट्रियों में काम रोका।
- हूती विद्रोहियों का यमन और सऊदी अरब पर हमला, यमन के 58 सैनिकों की मौत, सऊदी में 11 घायल, कई जगह आग लगी।
- पूर्व टीएमसी विधायक सनत डे गिरफ्तार, वसूली और चुनाव बाद हिंसा के आरोपों पर कार्रवाई।

जस्टिस टू चिल्ड्रन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स का किया शुभारंभ

मध्यप्रदेश में 4 नए फास्ट ट्रैक शुरू करने वाला देश का पहला राज्य

न्याय सबके लिए सहज, सुलभ, शीघ्र और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण हो : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायमूर्तिगणों ने शनिवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस- 'इन्हेंसिंग एक्सेस जस्टिस' के उद्घाटन सत्र का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। यह कॉन्फ्रेंस 9 अगस्त तक चलेगी। कॉन्फ्रेंस का आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली (नालसा), मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर (सालसा) और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। इस 2 दिवसीय कॉन्फ्रेंस का विषय 'इन्हेंसिंग एक्सेस टू जस्टिस' तथा इसकी थीम 'एकजुट आवाज, सशक्त भविष्य : संवाद, गरिमा और समावेशन के माध्यम से न्याय तक पहुंच' रखी गयी है।

सीजेआई न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी की शिक्षा स्कीम सहित इसके थीम सॉन्ग को किया इंडियन साइन लैंग्वेज में लाँच

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने नालसा की शिक्षा स्कीम तथा नालसा के थीम सॉन्ग को इंडियन साइन लैंग्वेज में लॉंच किया। कॉन्फ्रेंस में नालसा के थीम सॉन्ग का प्रदर्शन कर इसकी योजनाओं के हिंदी संस्करण और ब्रेल लिपि में गाइड का विमोचन किया गया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित अन्य सभी अतिथियों ने 'जस्टिस टू चिल्ड्रन लिटिगेशन फेलोशिप प्रोग्राम' तथा मध्यस्थता पर सर्टिफिकेट कोर्स - विवाद से सहमति की ओर का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य न्यायमूर्तियों ने कॉन्फ्रेंस में आयोजकों द्वारा तैयार की गई 'न्याय के स्वर' नामक पुस्तक का विमोचन किया।

सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 2 पक्षों में विवाद के हल में संवाद की प्रक्रिया अनेक विचारों से एकमत या आवाज तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सबके न्याय की पहुंच सिर्फ कानून के आधार पर तैयार नहीं हो सकती है। यह संवाद से ही संभव है। न्याय की प्रक्रिया केवल न्यायपालिका या किसी एक संस्था से पूरी नहीं होती है। इस यज्ञ में सबको मिलकर आहूति देनी होती है। किसी विवाद में मध्यस्थता की प्रक्रिया सामने वाले के सुनने से प्रारंभ होती है। न्याय मिलने से पहले पीड़ित को यह विश्वास होना आवश्यक है कि उसकी पीड़ा या समस्या को कोई सुन रहा है। उन्होंने कहा कि सभी की समस्याएं अलग-अलग हो सकती हैं, परंतु हर समस्या का समाधान एक जैसा नहीं होगा। समस्या की प्रकृति के अनुसार हमें अलग तरीके से सोचकर उसका समाधान देना होगा।

संवाद, गरिमा और संवदेनशीलता..., ये हमारी न्याय प्रणाली की हैं आत्मा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि न्याय पाना इस धरती में जन्मे हर व्यक्ति का प्राथमिक और मानवीय अधिकार है। एक जागरूक नागरिक के रूप में यह हमारा कर्तव्य भी है कि हम समाज के हर उस पीड़ित व्यक्ति या समुदाय को न्याय के मंदिर तक न केवल पहुंचाए, वरन उसे न्याय भी दिलवाएं जो न्याय पाने का वास्तविक अधिकारी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जरूरी है कि हमारी न्याय व्यवस्था ऐसी हो, जो सर्वव्यापी हो, सुलभ हो, सुगम हो, शीघ्र हो, सस्ती हो, समदर्शी हो और सबसे जरूरी यह कि न्याय मानवीय संवेदनाओं से भरा हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण भारतीय न्याय परंपरा को समृद्ध करने की दिशा में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है। आज के इस पवित्र आयोजन की थीम - एक आवाज, सशक्त भविष्य, गरिमा, समावेशन के माध्यम से न्याय पहुंचाना है।

विवादों को सहजता से सुलझाया- न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व को लोकतंत्र का आधार बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता से छोटे-छोटे मामलों का निपटारा कर हम केस पेंडेंसी जैसे गंभीर विषयों पर मंथन कर रहे हैं। हमारे लिए न्याय की अवधारणा पंच परमेश्वरों की परंपरा रही है, जिन्होंने कभी समझाइश देकर, कभी समझौतों से विवादों को सहजता से सुलझाया है। भगवान श्रीकृष्ण के गीता के ज्ञान में भी समाधान का मार्ग दिखाई देता है, उन्होंने महाभारत युद्ध के भीषण समय को टालने के लिए 5 गांवों से समाधान निकालने का प्रयास किया था। हमारे संविधान में हजारों वर्षों की न्याय परंपरा का आधुनिक उत्कृष्ट संगम है। यह देश का न्याय विधान है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में प्राइवेट बस पलटी

सड़क हादसे में 7 की मौत, 11 घायल

50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर गिरी, अंदर फंसे एक दूसरे पर गिरे लोग

एजेंसी ▶▶ भरमौर

हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तीसा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

एसपी विजय कुमार सकलानी ने बताया कि बस सुबह 7 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए चली थी। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर शर्मा कोच बस चालुंज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। अंदर फंसे लोग एक दूसरे पर जा गिरे। जेसीबी की मदद से बस को तोड़ा गया, फिर अंदर फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकाला गया। इस दौरान लोग बचाव-बचाव चिल्लाते सुने गए।

18 के करीब यात्री सवार थे

पुलिस के अनुसार- बस में ड्राइवर-कंडक्टर समेत 18 यात्री सवार थे। इनमें चार से 18 साल के छह बच्चे भी शामिल है। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को तीसा अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय प्रशासन ने सभी घायलों को 5-5 हजार रुपए की फौरी राहत प्रदान कर दी है, जबकि मृतकों के परिजनों को भी जल्द राहत राशि दी जाएगी।

गवर्नर-सीएम ने शोक जताया

हिमाचल के गवर्नर कविन्द्र गुप्ता, सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिक्षा सिंह ने बस हादसे में 7 लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा आईएएफ अफसर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी को सैन्य जानकारी शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पाकिस्तानी महिला ने सोशल मीडिया के जरिए अधिकारी से संपर्क किया और वीडियो कॉल व अन्य डिजिटल माध्यमों से हनीट्रैप किया। अधिकारी के खिलाफ ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और 30 मई को गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद 30 जुलाई को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। महिला के पाकिस्तान स्थित खुफिया अधिकारियों के लिए काम करने का शक है।

होटल के नॉनवेज पार्सल की ग्रेवी में निकला मरा हुआ चूहा

खाने से बच्चे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

दैनिक अवन्तिका ▶▶ खंडवा

शहर के कहारवाड़ी क्षेत्र स्थित एक नामचीन होटल से खरीदे गए नॉनवेज खाने के पार्सल में मरा हुआ चूहा मिलने से हड़कंप मच गया है। दूषित और जहरीला खाना खाने के बाद एक बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसे परिजनों ने आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद से आम जनता में भारी आक्रोश है।

खानशाह वली वार्ड के रहने वाले सलमान खान ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार देर रात कहारवाड़ी की एक होटल से नॉनवेज खाना पैक करवाकर मंगवाया था। परिवार के लोग जब घर पर खाना खा रहे थे, तभी उनके बेटे को ग्रेवी में कुछ संदिग्ध वस्तु नजर आई। जब उसे बाहर निकाला गया, तो सबके होश उड़ गए। वह मसालों में लिपटा हुआ एक मरा हुआ चूहा था। सलमान के मुताबिक, खाना खाने के कुछ ही देर बाद उनके बेटे को दो से तीन बार उल्टियां हुईं और उसकी हालत बिगड़ने लगी।

घबराए परिजन तुरंत उसे लेकर जिला अस्पताल दौड़े, जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। घटना से आहत पीड़ित परिवार ने सबूत के तौर पर वीडियो और तस्वीरें सुरक्षित रखी हैं। पिता सलमान खान ने गंभीर लापरवाही को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर लिखित शिकायत दर्ज कराई है और संबंधित होटल संचालक के खिलाफ कड़ी कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है।

मोदी से मुलाकात करने पहुंचे सीएम योगी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा काफी खास माना जा रहा है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा और शीर्ष नेतृत्व से उनकी मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सियासी गलियारों में पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चचाओं को भी तेज कर दिया है।

दिल्ली में अब तक 127 सेंमी बारिश, 15 साल का रिकॉर्ड टूटा, दीवार गिरने से 8 गाड़ियां दबीं

लैंडस्लाइड के कारण अमरनाथ यात्रा जम्मू में रोकी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण शनिवार को जम्मू से अमरनाथ यात्रा फिर से रोक दी गई। 11 अगस्त तक जम्मू क्षेत्र में तेज बारिश-बाढ़ और लैंडस्लाइड की आशंका है।

मौसम विभाग ने आज राजधानी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है। देवली इलाके में शनिवार को तेज बारिश से पार्किंग की दीवार गिर गई। इसके मलबे में आठ गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है। आगरा में सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

झारखंड सरकार से स्टूडेंट्स की बातचीत बेनतीजा

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड पीएससी-एसएससी परीक्षा में धांधली पर प्रदर्शनकारी छात्रों और सरकार के प्रतिनिधिमंडल की शनिवार को दूसरे राउंड की बातचीत बेनतीजा रही। यह मीटिंग एक घंटा चली। इससे पहले रात में छात्रों से सरकार के डेलिगेशन ने बात की थी। हालांकि इसमें में भी कोई नतीजा नहीं निकला था। वहीं, सरकार ने छात्रों को सुझाव देने के लिए ई मेल और फीडबैक नंबर जारी किया है। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि हम छात्रों के विभिन्न समूहों, स्टेकहोल्डर से मिलेंगे। तमाम सुझावों के बाद फैसला लिया जाएगा। झारखंड पीएससी रद्द करने की मांग को लेकर 6 छात्र अनशन पर हैं। छात्रों ने 10 अगस्त को विधानसभा घेरने का ऐलान किया है। इससे पहले शनिवार को एबीवीपी कार्यकर्ता सीएम आवास घेरने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शुक्रवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

खुसूर-फुसूर

गुरू जी दे रहे गच्चा कागजों पर रिलीव

प्रदेश स्तर पर गुरुजी को सीधे अध्ययन और अध्यापन के काम से जोडने के लिए राजधानी में बैठे विद्यालयों के प्रशासनिक अधिकारी ने जिलों में अपना निर्देश भेजा और कहा कि इधर उधर काम कर रहे गुरूजी को शालाओं में बुलाया जाए। इसके बाद भी अगर दूसरी जगह काम करे तो वेतन का आहरण करने वाला अधिकारी जिम्मेदार माना जाएगा और उससे ही वसूली की जाएगी। राजधानी के प्रशासनिक मुखिया के आदेश के बाद विभाग के जिला अधिकारियों ने तत्तकाल ही उस पर अमल किया। इसके पीछे दो कारण थे एक तो शालाओं में गुरूजी की कमी की समस्या नही बताई जा सकती थी दूसरी जगह काम करना और विभाग से वेतन लेने का मसला। अधिकारियों के गले में हड्डी अटक गई थी। बड़ी संख्या में विभाग से जुडे गुरूजी प्रशासनिक कार्यों में महारत हांसिल करने में पिछले कई सालों से लगे हुए थे। ऐसे में सभी को वापस विभाग में बुला लिया गया और शालाओं में पढ़ाने के काम में लगा दिया गया। कुछ बाबूजी अभी भी डटे हुए हैं जिनकी वापसी नहीं हो सकी है। इनमें से एक गुरूजी आगर रोड की तहसील में वहां के सबसे बड़े कार्यपालिक दंडाधिकारी साहब के खास बने हुए थे। उन्हें भी इस प्रक्रिया के तहत वापस शाला में भेज दिया गया। गुरूजी इतने साल में महारत हासिल कर चुके हैं और प्रशासनिक काम में रम गए हैं। ऐसे में कागजी खेल खेलने में माहिर हो चुके हैं। उन्होंने कागज पर तो रवानगी ले ली लेकिन भौतिक रूप से वे अब भी उसी खेल को खेल रहे हैं। गुरूजी ने फंडा खेल रखा है। आते हैं और बकायदा शाला जाकर अपनी एप पर हाजरी लगाते हैं फोटो डालते हैं आनलाईन हाजरी लगते ही कुछ दूरी पर स्थित महारत वाले कार्यालय में पहुंच जाते है। इधर साहब खुश तो उधर हाजरी से वेतन पक्का। गुरूजी ने शाला में भी ऐसी जुगाड लगा दी है कि उनकी कक्षा के शिष्य दुसरे गुरूजी लेकर बैठ रहे हैं। इधर साब की चमक भी दे रखी है और झापे भी। खुसूर-फुसूर है कि ऐसी अवस्था में बच्चों की शिक्षा और पाठ्यक्रम का क्या होगा। गुरूजी को आखिर साब के पास ऐसी कौन सी जड़ी-बुटी मिल रही है जिसके कारण वे उन्हें छोड़ने को ही तैयार नहीं है और तहसील पर प्रशासन का अधिकार नहीं छोड़ना चाहते हैं। तय है कुछ तो मीठा है उसी कारण से गुरूजी कागजों पर रवानगी लेने के बाद भी आफ द रिकार्ड यहां जमे रहकर खेल को अंजाम दे रहे हैं। विभाग के अधिकारियों तक भी यह मसला है लेकिन समस्या यह है कि कोई बोलने को तैयार नहीं है।

नैनो न्यूज

- क्षीरसागर का नवीन कन्या विद्यालय बनेगा सांदीपनि विद्यालय, परिसर में 6 लाख से लगेंगे पेवर ब्लॉक
- श्री सिंथेटिक्स कर्मचारी कांग्रेस की बैठक 9 अगस्त को, बकाया भुगतान नहीं होने पर वनतारा परियोजना के विरोध का ऐलान
- भोपाल में उज्जैन के निशानेबाजों का दबदबा, मानवीर सिंह बेस ने जीता रजत पदक, 350 से अधिक खिलाड़ी हुए शामिल
- कारसेवकों और जनसंघ काल के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान, 15 अगस्त के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय
- शहीदों की स्मृति में 16 अगस्त को रोपे जाएंगे 501 पौधे, स्वतंत्रता दिवस पर सैन्य बलिदानियों को दी जाएगी श्रद्धांजलि
- जैनाचार्य श्रीपूज्य श्री जिनचंद्र सूरिजी महाराज साहब ने सत्य साधना मौन ध्यान शिविर में साधकों को किया आत्मजागरण के लिए प्रेरित
- विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को निकलेगी पारंपरिक रैली, संस्कृति एवं अधिकारों का दिया जाएगा संदेश
- सजग उज्जैन मंच ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, उज्जैन में नया रेलवे मंडल कार्यालय स्थापित करने की मांग
- अंतगड़दशांग सूत्रः कठोर तप और मोक्ष की गाथा, मोक्षमार्ग का प्रेरक संदेश समझाया पंन्यास प्रवर श्री ऋषभरत्नविजयजी म.सा. ने

ट्रेंडिंग

उज्जैन विकास प्राधिकरण की शिप्रा विहार व्यवसायिक योजना

"चौबे जी छब्बे जी बनने गए दुबे जी रह गए..!"

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विकास प्राधिकरण की व्यवसायिक योजना जमीन पर आते ही फूस्स हो गई है। चौबे जी छब्बे जी बनने गए दुबे जी रह गए वाले हाल कायम हो गए हैं। शिप्रा विहार क्षेत्र में इसे करीब 50 करोड़ रूपए से अधिक व्यय कर अंजाम दिया गया था लेकिन योजना पूर्ण होने के उपरांत इसमें एक भी भूखंड नहीं बिक सका है। हाल यह हैं कि सोने से घडावन महंगी साबित हो रही है और योजना के निर्माणों के रखरखाव में भी जमकर खर्च किया जा रहा है।

विकास प्राधिकरण वर्ष 2023-24 के दौरान व्यवसायिक योजना को शिप्रा विहार के अंतर्गत कमर्शियल प्रोजेक्ट के रूप में इंदौर रोड एवं देवास रोड के मध्य में अमल में लाया था। तत्कालीन अध्यक्ष श्याम बसंल के दौर में इस पर काम शुरू किया गया था। प्रोजेक्ट की जानकारी को भी जमकर हाईटेक बनाया गया था। यहां तक की इस पूरे प्रोजेक्ट की जानकारी का वीडियो देखने के लिए भी क्यू आर कोड अपडेट किया गया था जिसके स्केन करते ही पूरे प्रोजेक्ट का वीडियो सामने आ जाता था।

50 करोड़ से अधिक खर्च किए और अब संधारण पर प्रतिमाह लाखों का व्यय

बाह्य मार्ग 45 मीटर आंतरिक15 मीटर

इस पूरे प्रोजेक्ट को विकास प्राधिकरण ने 45 मीटर एवं 30 मीटर बाहरी सड़कें तथा 24 मीटर एवं 18 मीटर की आंतरिक सडक पर इसे अंजाम दिया है। प्रोजेक्ट में अंडरग्राउंड विद्युतीकरण, सीवर लाइन, स्टार्म वाटर लाइन, जलप्रदाय लाइन दी गई है। यहां रोड डिवाइडर भी आकर्षक देने का वादा किया गया। इसके साथ ही अत्याधुनिक स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ से सुसज्जित किया गया। यही नहीं 1.5 लाख वर्गफीट का पूर्णतः विकसित गार्डन और 2.5 हेक्टेयर का ग्रीन स्पेस भी यहां योजना में अंजाम दिया गया है।

एक प्लॉट भी नहीं बिका- योजना को लेकर बताया जा रहा है कि विकास प्राधिकरण इसे अमल में लाने के बाद से यहां के व्यवसायिक भूखंडों को बेचने के सभी प्रकार के प्रयास कर चुका है लेकिन हाल यह हैं कि योजना का एक भी भूखंड व्यवसायिक दरों पर बिकने एवं कोई खरीदने को तैयार नहीं हुआ है। शिप्रा विहार योजना में छोटे बड़े कुल 173 प्लॉट काटे गए, कीमत 3 करोड़ से 35 करोड़ तक रखी गई है। इनका विक्रय लाटरी और निविदा के नियमों से किया जाना है। परिसर में व्यावसायिक प्लॉट के आसपास 30, 24 व 14 मीटर चौड़ी पक्की सड़कें बनाई गई हैं।

संधारण व्यय भी बढ़ा- यूडीए ने प्रोजेक्ट के प्रारंभिक दौर में रातों रात करोड़ों रूपए कमाने का स्वप्न तो देखा था लेकिन योजना के इस तरह से फ्लाप होने को लेकर किसी ने उम्मीद नहीं की थी। सड़कों के साथ तमाम सुविधाओं के निर्माण पर किए गए खर्च के बाद अब यहां संधारण पर किया जा रहा व्यय प्रतिमाह ही विकास प्राधिकरण के लिए सिरदर्द खड़ा कर रहा है। अगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बातों पर ही विश्वास किया जाए तो देखरेख के लिए ही यहां रखे गए कर्मचारी और गार्डन सहित अन्य कामों के लिए ही प्रतिमाह 10 लाख से अधिक का खर्च होना संभावित माना जा सकता है।

दर और गाइड लाइन में अंतर

शहर में प्रॉपर्टी में जमीन और भूखंडों के व्यवसाय से जुड़े सूत्रों की बातों पर अगर विश्वास किया जाए तो उनका कहना है कि यह मसला कुछ पेचिदा खुद विकास प्राधिकरण ने ही बनाकर सामने रखा है। क्षेत्र की गाइड लाइन करीब 6 हजार रूपए के लगभग है। इसकी अपेक्षा यूडीए कमर्शियल योजना के मान से रेट 14-15 हजार रूपए तय कर निविदा में आ रहा है। ऐसे में कोई भी व्यवसायि आखिर अभी से इतना महंगा माल क्यों लेगा। धंधे का उसूल कहता है कि आज के रेट में माल लेकर रखा जाता है और भविष्य में उससे लाभ लिया जाता है। अब इस योजना में तो अगले 5 साल तक रेट विकास प्राधिकरण की दर वाला आएगा तो ऐसे में पैसा लगाने वाले को अगले पांच साल में क्या मिलेगा। व्यवसायियों के मुताबिक कम से कम लगाए गए पैसे के ब्याज की पूर्ति वाला मामला भी हर वर्ष का रहे तो भूखंड लिया जा सकता है। शहर में ही कई ऐसे व्यवसायी हैं जो इसकी खरीदी कर सकते हैं पर परेशानी वही हैं कि अन्य क्षेत्रों में इससे कम दर पर आवासीय में ही बेहतर लाभ सामने आ रहे हैं। ऐसे में इनकी योजना को लेकर रूझान कमजोर ही रहना है।

इंदौर रोड मुख्य मार्ग की दर

व्यवसायियों का कहना है कि योजना में इंदौर रोड मुख्य मार्ग से मिलती जुलती दर पर इनके भूखंड हैं। ऐसे में मुख्य मार्ग पर ही व्यय करना ज्यादा बेहतर है।

बात ऑनलाइन पंजीयन की थी और अब भी दिव्यांगों को बुलाना पड़ रहा तो लाभ क्या मिला

संपदा 2.0 में खामियां बरकरार, सर्विस प्रोवाइडरों को नहीं मिल रहा आधार

नई व्यवस्था पर पंजीयन कराने आने वाले भी उठा रहे सवाल, सर्विस प्रोवाइडरों की मांग यथावत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

दो साल हुए प्रदेश में संपदा 2.0 के नाम से पोर्टल शुरू किया गया था। पंजीयन स्टांप एवं मुद्रांक में इसे लाने के दौरान दावा किया गया था कि अब रजिस्ट्री ऑनलाइन हो सकेगी। कार्यालयों के चक्कर काटने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। योजना के शुरूआत में विदेशों में बैठे लोगों के पंजीयन कर इसके हाईटेक होने का भ्रमित प्रचार किया गया और अब पंजीयन कार्यालयों में दिव्यांग तक को बुलाया जा रहा है उसके बाद ही पंजीयन की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा रहा है।

संपदा 2.0 आने के बाद से लेकर अब तक सर्विस प्रोवाइडर कई बार अपनी समस्याओं को पंजीयक एवं तमाम वरिष्ठ अधिकारियों के सामने रख चुके हैं उसके बाद भी पिछले लंबे समय में इनका निदान करने को लेकर अधिकारियों ने कोई गंभीर रूचि नहीं जताई है।

उज्जैन सहित जिले की तहसीलों में स्थित पंजीयन कार्यालयों से जुड़े प्रॉपर्टी सर्विस प्रोवाइडरों ने कई बार इन समस्याओं को लेकर ज्ञापन अधिकारियों को दिए, लेकिन शत फीसदी निराकरण नहीं हो पाया हैं। सर्विस प्रोवाइडरों के अनुसार सबसे अधिक दिक्कत ओटीपी नहीं आने की है। कभी संपदा 2.0 का सर्वर डाऊन होने से तो कभी यूआईडीएआई के सर्वर की धीमी गति के चलते आधार ओटीपी नहीं आता हैं। वसीयत के मामलों में भी ऐसा ही हो रहा है। बुजुर्गों और मरणासन्न की वसीयत को लेकर भी काफी परेशानियों की स्थिति है।तकनीकी जानकार कहते हैं की क्षमता के कारण ये समस्या आती है। हाल यह हैं कि समस्याओं के निदान को लेकर पहल करने की बजाय काम और अधिक उलझन वाले होते जा रहे हैं। पंजीयन की प्रक्रिया सुलभ और सहज किए जाने की अपेक्षा 2.0 में इसे और उलझन भरा बना दिया गया है। ऑनलाइन रजिस्ट्री में ओटीपी सत्यापन की प्रक्रिया लंबी होती है। संपत्ति के पंजीयन के लिए उसकी जियो टैगिंग आवश्यक है, लेकिन कुछ जगह जियो फेंसिंग की सीमा और राजस्व सीमा में अंतर होने से अन्य क्षेत्र की लोकेशन आ रही है। पंजीयन कार्यालय से इसमें मैन्युअली सुधार कराना पड़ता है। पड़ताल में यह भी पता चला है कि कभी-कभी फाइल अपलोड नहीं हो पातीं। बुजुर्गों के थंब इंप्रेशन या रेटिना स्कैन नहीं होने से भी प्रक्रिया अटक जाती है। नामांतरण में नाम परिवर्तन में दिक्कत बन रही है।

घर बैठे रजिस्ट्री आसान नहीं

सर्विस प्रोवाइडर कहते हैं कि समस्याओं के रहते घर बैठे रजिस्ट्री एक सपना ही है। ऐसे में आम लोगों ने भी घर बैठे दस्तावेज पंजीयन की उम्मीद छोड़ी दी हैं।

विभागीय स्थितियों में मजबूत तकनीकी आधार के बगैर यह संभव नहीं है। ऊपर बैठे अधिकारियों ने इसे सामान्य तकनीकी क्षमता की स्थिति में ही लागू करवा दिया और उसी में काम चल रहा है। पोर्टल एवं सर्वर अपडेट की स्थितियों के बावजूद अब तक समस्या यथावत है और आए दिन रजिस्ट्री करवाने वालों को दिन भर बैठना पड़ रहा है। ऐसे कई कारणों से संपदा 2.0 से घर बैठे ऑनलाइन रजिस्ट्री कराना इतना आसान नहीं जितना बताया गया था, कई तकनीकी परेशानी आ रही हैं। ऐसे में जिला पंजीयन कार्यालय में स्लॉट लेकर रजिस्ट्री कराना आसान हैं।

2-3 घंटे सामान्य- अक्टूबर 2024 में शुरू किया गया संपदा 2.0 -पोर्टल विभागीय उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। दावे थे कि लोग घर बैठे इससे जमीन की रजिस्ट्री करा सकेंगे, चाहे वह देश में हों या विदेश में। हकीकत ये है कि सामान्य तौर पर 2-3 घंटे रजिस्ट्री में लग रहे हैं।

सम्राट विक्रमादित्य यूनिवर्सिटी के

एमबीए रिजल्ट में गड़बड़ी 1600 में से दिए 1604 अंक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में बड़ी तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी रिजल्ट में एक छात्रा के चारों सेमेस्टर के कुल 1600 अंकों में से 1604 अंक दर्ज कर दिए गए। इतना ही नहीं, छात्रा का प्रतिशत भी 100.25 प्रतिशत प्रदर्शित होने लगा। मामला सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने रिजल्ट में सुधार कर नई मार्कशीट जारी की है।

मामला जून 2026 में आयोजित एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा का है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी परिणाम में छात्रा के चारों सेमेस्टर के अंकों का ग्रैंड टोटल 1604 दर्ज था, जबकि अधिकतम अंक 1600 दिखाए गए थे।

रिजल्ट के अनुसार छात्रा को प्रथम सेमेस्टर में 431, द्वितीय सेमेस्टर में 393, तृतीय सेमेस्टर में 398 और चतुर्थ सेमेस्टर में 382 अंक प्राप्त हुए। इन सभी अंकों का योग 1604 होता है। इसके बावजूद रिजल्ट में अधिकतम अंक 1600 दर्ज होने से प्रतिशत 100.25 प्रतिशत हो गया।

सुधार के बाद 2100 में से 1604 अंक

रिजल्ट में गड़बड़ी सामने आने के बाद विश्वविद्यालय ने इसमें सुधार किया। संशोधित मार्कशीट में अधिकतम अंक 2100 और छात्रा के प्राप्तांक 1604 दर्ज किए गए हैं। इसके बाद छात्रा का प्रतिशत भी सही हो गया है।

रिजल्ट तैयार करने वाली एजेंसी से हुई त्रुटि- विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा ने बताया कि रिजल्ट तैयार करते समय अंतिम सेमेस्टर के मैक्सिमम मार्क्स ग्रैंड टोटल में शामिल नहीं हो पाए थे। इस वजह से अधिकतम अंक 1600 दिखाई देने लगे, जबकि वास्तविक अधिकतम अंक 2100 थे। कुलसचिव के अनुसार यह त्रुटि रिजल्ट तैयार करने वाली एजेंसी की ओर से हुई थी। मामले में परिणाम को सुधार दिया गया है और संबंधित एजेंसी को चेतावनी भी जारी की गई है। एमबीए के परिणाम में अधिकतम अंकों से अधिक अंक और 100 प्रतिशत से अधिक प्रतिशत दर्ज होने की गड़बड़ी सामने आने के बाद विश्वविद्यालय की रिजल्ट तैयार करने और जांचने की प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं।

महापौर ने रामघाट की सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महापौर मुकेश टटवाल ने रामघाट पहुंचकर घाट की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर तैनात सफाई मित्रों से सफाई व्यवस्था की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि रामघाट पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्रियों का आवागमन होता है, ऐसे में घाट की स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। महापौर ने कहा कि रामघाट धार्मिक एवं आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। सफाई मित्रों को घाट, सीढ़ियों एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई करने तथा श्रद्धालुओं द्वारा छोड़ी जाने वाली पूजन सामग्री का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रामघाट पर दो भाईयों को डूबने के दौरान तैराक दल ने बचाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

देव दर्शन के लिए उज्जैन आए उत्तर प्रदेश निवासी दो भाई शुक्रवार को रामघाट पर शिप्रा नदी में स्नान के दौरान अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद मां शिप्रा तैराक दल के गोताखोर ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों की जान बचा ली।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश निवासी नमन दीक्षित और अनुपम दीक्षित दोनों भाई देव दर्शन के लिए उज्जैन आए थे। इसी दौरान वे रामघाट पर शिप्रा नदी में स्नान कर रहे थे। स्नान करते समय अचानक दोनों का पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए। दोनों को डूबता देखकर आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही मां शिप्रा तैराक दल के गोताखोर राकेश गोंड ने बिना समय गंवाए शिप्रा नदी में छलांग लगा दी। राकेश ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते हुए हुए रेस्क्यू के कारण बड़ा हादसा टल गया।

घटना की जानकारी मां शिप्रा तैराक दल के सचिव संतोष सोलंकी ने दी। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि शिप्रा नदी में स्नान करते समय निर्धारित सुरक्षित स्थान पर ही स्नान करें और गहरे पानी की ओर न जाएं।

मंछामन मल्टी में मजदूर की मौत पर कांग्रेस का हंगामा, निर्माण एजेंसी पर एफआईआर की मांग, पार्षदों ने निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

सभी निर्माण श्रमिकों का 25 लाख रुपये का बीमा कराने की मांग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मंछामन आवासीय मल्टी के निर्माण के दौरान चौथी मंजिल से गिरकर 21 वर्षीय मजदूर बबलू पिता गुलाब की मौत के मामले में कांग्रेस पार्षदों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। शुक्रवार को नगर निगम नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों ने निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर निर्माण एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। साथ ही शहर में विकास कार्यों में लगे सभी मजदूरों का 25 लाख रुपये का बीमा कराने की मांग भी उठाई।

कांग्रेस पार्षदों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जताया विरोध

कांग्रेस पार्षदों ने ज्ञापन में कहा कि 5 अगस्त को मंछामन मल्टी में निर्माण कार्य के दौरान चौथी मंजिल पर काम कर रहे मजदूर बबलू की गिरने से मौत हो गई। मल्टी का निर्माण जयपुर की फर्म लीना इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय ने निर्माण स्थल पर श्रम नियमों और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या मजदूरों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे। इसके अलावा मृतक मजदूर का पीएफ, ईएसआई और श्रम विभाग में पंजीयन, निर्माण स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था तथा हादसे के समय इंजीनियर या सुपरवाइजर की मौजूदगी को लेकर भी जानकारी मांगी गई।

एफआईआर नहीं हुई तो निगम गेट पर धरने की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस पार्षदों ने मृत मजदूर को दो मिनट की श्रद्धांजलि दी और नारेबाजी कर विरोध जताया। कांग्रेस ने मांग की कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों और संबंधित निर्माण एजेंसी के खिलाफ संबंधित थाना क्षेत्र में प्रकरण दर्ज किया जाए। पार्षदों ने चेतावनी दी कि यदि निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्षद नगर निगम कार्यालय के गेट पर धरना देंगे। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि उज्जैन में विभिन्न विकास कार्यों में लगे सभी मजदूरों का मध्यप्रदेश शासन की ओर से 25 लाख रुपये का बीमा कराया जाए।

कांग्रेस ने कहा- निर्माण कार्यों में यह चौथी मौत

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शहर में निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा में लापरवाही के कारण मजदूरों की मौत के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मंछामन मल्टी का हादसा इस तरह का चौथा मामला है। कांग्रेस के मुताबिक जनवरी 2026 में सिंहस्थ से जुड़े ब्रिज निर्माण कार्य के दौरान करीब 50 फीट की ऊंचाई पर काम कर रहे एक मजदूर की सरियों के ढेर के नीचे दबने से मौत हुई थी। इसके बाद मार्च में सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान करंट लगने से एक श्रमिक की मौत हुई थी। वहीं, शिप्रा नदी किनारे सिंहस्थ घाटों के निर्माण के लिए खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत का मामला भी सामने आया था।

पार्षदों ने उठाया श्रमिकों की सुरक्षा का मुद्दा

कांग्रेस ने कहा कि शहर में लगातार बड़े निर्माण कार्य चल रहे हैं। ऐसे में मजदूरों की सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद माया राजेश त्रिवेदी और सपना जितेन्द्र सांखला ने भी अपनी बात रखी।

ये पार्षद रहे मौजूद- ज्ञापन सौंपने के दौरान डॉ. रवि राय के साथ पार्षद माया राजेश त्रिवेदी, नाजिया कुरैशी, सपना जितेन्द्र सांखला, नजमा बी फिरोज पठान, हाजरा बी जाहिद हुसैन, छोटेलाल मंडलोई, इमरान खान, अर्पित दुबे, निकिता परमानंद मालवीय, शाहीन मुजीब सुपारी वाला, रुखसाना बी अनवर नागौरी और शमशाद मेहताब लाला मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति ने खरगोन जिले के कमल गौड़ को किया सम्मानित

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर महेश्वर की समृद्ध हथकरघा परम्परा को राष्ट्रीय गौरव दिलाने वाले खरगोन जिले के बुनकर कमल गौड़ को 'राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार-2026' से सम्मानित किया है। बुनकर कमल को महेश्वरी साड़ी बुनाई में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौड़ को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री गौड़ को मिला यह सम्मान महेश्वरी साड़ी की विशिष्ट पहचान, समृद्ध हथकरघा परम्परा और हमारे बुनकरों के उत्कृष्ट कला-कौशल का गौरव है। हमारी सरकार महेश्वर को टेक्सटाइल टूरिज्म विलेज के रूप में विकसित कर इस पुरातन विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध होकर प्रयासरत है।

60 वर्ष पुराने सबस्टेशन मे हुआ तकनीकी समस्या का समाधान

उज्जैन । मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के इंदौर स्थित 132 केवी चंबल सबस्टेशन में 33 केवी फीडरों की सभी क्रॉसिंग समाप्त कर उन्हें अंडरग्राउंड केबल प्रणाली में परिवर्तित कर दिया गया है। लगभग 60 वर्ष पुराने इस सबस्टेशन में लंबे समय से चली आ रही एक महत्वपूर्ण तकनीकी समस्या के समाधान से अब विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की विश्वसनीयता, सुरक्षा एवं स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। 132 केवी चंबल सबस्टेशन इंदौर का सबसे पुराना तथा मालवा क्षेत्र का दूसरा सबसे पुराना अतिरिक्त उच्च दाब (ईएचवी) सबस्टेशन है। इस सबस्टेशन में आवश्यकता के अनुसार पिछले 60वर्षों में सबस्टेशन यार्ड में 33 के वी फीडरों की संख्या बढकर 16 हो गई थी।

उत्पादों की जांच के लिए 30 से अधिक नमूने जांच हेतु लिए

इंदौर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के निदेर्शानुसार प्रदेशभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। हाल ही में बाहरी राज्यों से आने वाले कुछ घी ब्रांडों के नमूने अमानक स्तर के पाए जाने के बाद संबंधित ब्रांडों के विरुद्ध विशेष नमूना कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए थे। कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में गत 6 अगस्त को खाद्य सुरक्षा प्रशासन, जिला इंदौर के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने विक्टर हाउस-1, गोल्डन पैलेस कॉलोनी, ए.बी. रोड स्थित पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड के डिपो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यहां पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड, पुणे (महाराष्ट्र) द्वारा निर्मित गोवर्धन ब्रांड घी का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठान पूरे मध्यप्रदेश में गोवर्धन ब्रांड घी की आपूर्ति करने वाला कंपनी डिपो है। प्रतिष्ठान केंद्रीय अनुज्ञप्तिधारी होने के कारण वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल सूचना दी गई।

शिविरः ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया निराकरण

उज्जैन। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कुमट ने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों का विस्तृत भ्रमण कर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्राम पंचायत चंदूखेड़ी, बामोरा, असलाना, आकासोदा एवं खेमासा का दौरा कर विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा मूलभूत सुविधाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया। शासकीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण भ्रमण के दौरान चंदूखेड़ी, आकासोदा एवं खेमासा के ग्राम पंचायत भवनों का निरीक्षण कर शासकीय व्यवस्थाओं एवं नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जैविक खेती एवं ग्रामीण उद्यमिता को मिला प्रोत्साहन ग्राम सबलपुर में वर्मी कम्पोस्ट के माध्यम से जैविक खेती कर रहे कृषक श्री हाकमसिंह आंजना से चर्चा कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी सुझाव दिए गए। ग्राम बामोरा में पारंपरिक मिट्टी के कुल्हड़ एवं दीपक निर्माण कार्य से जुड़े प्रजापति परिवार के निवास पर पहुँचकर उनके कार्य की सराहना की गई। अधिकारियों ने उत्पादन क्षमता एवं विपणन बढ़ाने के उद्देश्य से उन्हें एमएसएमई, मुद्रा लोन सहित अन्य शासकीय योजनाओं से जोड़ने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्राम खेमासा में कृषक श्री शंभूसिंह द्वारा विकसित सीताफल, थाई पिंक अमरूद एवं देशी अमरूद के फलोद्यान का निरीक्षण कर नवाचार आधारित कृषि को प्रोत्साहित किया गया। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली की समीक्षा बामोरा स्थित आरोग्य केंद्र में दवाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

नैनो न्यूज

- **एमपीएसओएस रुक जाना नहीं रिजल्ट जारी -** जुलाई 2026 सत्र के कक्षा 10वीं-12वीं के परिणाम जारी हुए। 10वीं का पास प्रतिशत 59.89 प्रतिशत रहा।
- **दतिया हार के बाद भाजपा में बड़ा बदलाव** – उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद भाजपा ने दतिया की पूरी जिला इकाई भंग कर दी है।
- **प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट** – 40 से अधिक जिलों में तेज बारिश और गरज-चमक की संभावना है। दतिया-निवाड़ी सहित कई इलाकों में अलर्ट जारी है।
- **भोपाल में आज कई बड़े ट्रैफिक-पावर अपडेट** – राजधानी के करीब 30 इलाकों में बिजली कटौती और कुछ क्षेत्रों में ट्रैफिक डायवर्जन की सूचना है।
- **एमपी हाईकोर्ट का सख्त फैसला** – राज्य चुनाव आयोग के निदेशक पर महिला संविदा कर्मचारी को चाइल्ड केयर लीव नहीं देने के मामले में 50 हजार जुमार्ना लगाया गया।
- **रेलवे की मानवीय पहल** – एमपी में जीआरपी के 'ऑपरेशन हमदर्द' के तहत 2,057 बेसहारा/लावारिस लोगों को परिवारों से मिलाने और पुनर्वास में मदद की गई।
- **उज्जैन में महाकाल सवारी मार्ग पर कार्रवाई** – श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए सवारी मार्ग के जर्जर दो मंजिला भवन को ध्वस्त किया गया।
- **इंदौर में गैस पाइपलाइन विस्फोट मामला** – अवंतिका गैस पाइपलाइन विस्फोट मामले में प्रशासन की कार्रवाई जारी है।

मुख्यमंत्री से श्रद्धालुओं की मांग, रक्तदान को प्रोत्साहन के साथ भक्तों को शीघ्र दर्शन का मिले लाभ

ओंकारेश्वर की तर्ज पर महाकाल में भी रक्तदाताओं को मिले प्राथमिकता से दर्शन

संदीप मेहता (दैनिक अवन्तिका)

उज्जैन। धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा को जोड़ने वाली ओंकारेश्वर की पहल अब उज्जैन में भी लागू करने की मांग उठने लगी है। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की तर्ज पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी रक्तदान करने वाले श्रद्धालुओं को प्राथमिकता से दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। श्रद्धालुओं का कहना है कि इससे एक ओर रक्तदान को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर महाकाल दर्शन के लिए आने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।

ओंकारेश्वर में रक्तदान और प्राथमिकता दर्शन को जोड़ने वाली पहल ने धार्मिक स्थलों पर सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने की नई संभावना सामने रखी है। अब उज्जैन के श्रद्धालुओं की मांग है कि इसी मॉडल को महाकाल मंदिर में भी लागू किया जाए। यदि शासन और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति इस प्रस्ताव को स्वीकार करती है तो उज्जैन में इसे बड़े स्तर पर रक्तदान अभियान के रूप में विकसित किया जा सकता है। इससे महाकाल दर्शन के साथ 'रक्तदान–महादान' का संदेश भी देशभर में पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

ओंकारेश्वर में शुरू हुई पहल बनी चर्चा का विषय

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष पहल शुरू की गई है। इसके तहत मंदिर के पास बनाए गए रक्तदान केंद्र पर रक्तदान करने वाले श्रद्धालुओं को प्राथमिकता/वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार इस पहल से प्रत्येक सप्ताह करीब 150 से 200 यूनिट रक्त एकत्र होने की जानकारी सामने आई है। इस व्यवस्था का उद्देश्य धार्मिक आस्था को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ना है। श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने के साथ रक्तदान कर किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने में योगदान दे सकते हैं और इसके बाद उन्हें दर्शन में प्राथमिकता मिलती है। रिपोर्टों में इसे रक्तदान को बढ़ावा देने वाली अनूठी पहल बताया गया है।

अब महाकाल की नगरी में उठी मांग

ओंकारेश्वर की इस व्यवस्था की जानकारी सामने आने के बाद महाकाल की नगरी उज्जैन में भी इसे लागू करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। श्रद्धालुओं का कहना है कि उज्जैन देश-दुनिया से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां यदि रक्तदान और महाकाल दर्शन को एक सामाजिक अभियान के रूप में जोड़ा जाए तो बड़ी संख्या में लोग रक्तदान के लिए प्रेरित हो सकते हैं। श्रद्धालुओं की मांग है कि महाकाल मंदिर परिसर अथवा मंदिर समिति की ओर से निर्धारित किसी नजदीकी स्थान पर अधिकृत रक्तदान केंद्र की व्यवस्था की जाए। वहां रक्तदान करने वाले पात्र श्रद्धालुओं को निर्धारित नियमों के तहत प्राथमिकता दर्शन का पास उपलब्ध कराया जा सकता है।

रक्तदान के साथ दर्शन की सुविधा का दोहरा लाभ

श्रद्धालुओं का कहना है कि इस तरह की व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि धार्मिक यात्रा के दौरान लोग सामाजिक सेवा से भी जुड़ेंगे। एक यूनिट रक्त कई बार जरूरतमंद मरीज के उपचार में उपयोगी साबित हो सकता है। वहीं रक्तदान करने वाले श्रद्धालु को प्राथमिकता दर्शन मिलने से उसे सेवा का प्रत्यक्ष प्रोत्साहन भी मिलेगा। इससे विशेष रूप से सावन, महाशिवरात्रि और अन्य बड़े पर्वों के दौरान रक्तदान अभियान चलाने में मदद मिल सकती है। महाकाल मंदिर में वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में यदि इस व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से लागू किया जाए तो रक्त संग्रह का बड़ा नेटवर्क तैयार किया जा सकता है।

वीआईपी दर्शन नहीं, 'सेवा के बदले प्राथमिकता' का मॉडल

श्रद्धालुओं का कहना है कि इस योजना को सामान्य वीआईपी संस्कृति से अलग रखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य पैसे या प्रभाव के आधार पर दर्शन की सुविधा देना नहीं, बल्कि रक्तदान जैसी जीवनदायी सामाजिक सेवा को प्रोत्साहित करना होना चाहिए। इसके लिए स्पष्ट नियम बनाए जा सकते हैं। केवल अधिकृत ब्लड बैंक अथवा स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में हुआ रक्तदान ही मान्य हो, रक्तदान करने वाले व्यक्ति की पात्रता की जांच हो और प्राथमिकता दर्शन का लाभ निर्धारित सीमा तक ही दिया जाए।

मुख्यमंत्री से जल्द निर्णय लेने की मांग

श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की है कि ओंकारेश्वर में शुरू हुई इस पहल का अध्ययन कर उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने पर निर्णय लिया जाए। श्रद्धालुओं का कहना है कि 'एक तरफ रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बचाने में योगदान और दूसरी तरफ बाबा महाकाल के शीघ्र दर्शन'–यह धार्मिक आस्था और मानव सेवा का अनूठा संगम हो सकता है।

दर्शन व्यवस्था को लेकर चर्चा

महाकाल मंदिर में दर्शन व्यवस्था और प्रोटोकॉल को लेकर हाल के महीनों में चर्चा होती रही है। जून 2026 में मंदिर में प्रोटोकॉल दर्शन को लेकर विवाद भी सामने आया था और मंदिर समिति की ओर से प्रोटोकॉल दर्शन के आंकड़े सार्वजनिक किए गए थे। ऐसे में रक्तदाताओं के लिए अलग प्राथमिकता व्यवस्था लागू करने से पहले मंदिर समिति को स्पष्ट और पारदर्शी नियम बनाने होंगे, ताकि इसका लाभ वास्तविक रक्तदाताओं को मिले और सामान्य श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था भी प्रभावित न हो।

महाकाल दर्शन के साथ 'रक्तदान–महादान' का संदेश

उज्जैन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यदि मंदिर समिति, स्वास्थ्य विभाग और अधिकृत ब्लड बैंकों के समन्वय से व्यवस्थित रक्तदान केंद्र बनाया जाए तो यहां आने वाले श्रद्धालुओं को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा सकता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें रक्तदान करने वाले पात्र व्यक्ति को प्राथमिकता दर्शन मिले, लेकिन इससे सामान्य श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था प्रभावित न हो। रक्तदान की पूरी प्रक्रिया अधिकृत ब्लड बैंक की निगरानी में हो और रक्तदाता की पात्रता तथा रक्त की जांच निर्धारित चिकित्सकीय नियमों के अनुसार की जाए। इस पहल से केवल एक-दो बड़े रक्तदान शिविरों पर निर्भर रहने के बजाय नियमित रक्तदाताओं का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और महाकाल की नगरी से देशभर में 'रक्तदान–महादान' का संदेश भी जाएगा। श्रद्धालुओं की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग है कि ओंकारेश्वर में लागू पहल का अध्ययन कर उज्जैन में भी रक्तदान को प्राथमिकता दर्शन से जोड़ने की व्यवस्था जल्द लागू की जाए।

नियमित रक्तदाताओं का नेटवर्क बने तो कम हो सकती है परेशानी

विशेषज्ञों के अनुसार किसी एक बड़े शिविर के बजाय यदि नियमित रक्तदान की संस्कृति विकसित की जाए तो अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बेहतर बनाए रखी जा सकती है। इसके लिए नियमित रक्तदाताओं का डेटाबेस तैयार कर जरूरत के समय संबंधित ब्लड ग्रुप के दाताओं से संपर्क किया जा सकता है। इसी दृष्टि से ओंकारेश्वर की तर्ज पर महाकाल मंदिर में रक्तदान को दर्शन सुविधा से जोड़ने की मांग महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि रक्तदान करने वाले श्रद्धालुओं को निर्धारित नियमों के तहत प्राथमिकता दर्शन दिया जाए तो धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

रक्तदान शिविरों के बावजूद मरीजों को समय पर रक्त नहीं मिल पाता

उज्जैन सहित प्रदेशभर में समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं और बड़ी संख्या में लोग रक्तदान भी करते हैं। इसके बावजूद जरूरत के समय मरीजों और उनके परिजनों को रक्त की व्यवस्था के लिए भटकना पड़ता है। खासकर दुर्लभ ब्लड ग्रुप, दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव तथा ऑपरेशन के दौरान अचानक बड़ी मात्रा में रक्त की आवश्यकता होने पर समस्या और बढ़ जाती है। दरअसल, रक्तदान शिविर में एकत्र किया गया प्रत्येक यूनिट रक्त हर मरीज के लिए उपयोगी नहीं होता। मरीज को उसकी जरूरत के अनुसार संबंधित ब्लड ग्रुप का रक्त या रक्त के अलग-अलग घटक, जैसे प्लेटलेट्स, प्लाज्मा आदि चाहिए होते हैं। ऐसे में केवल कुल रक्त संग्रह का आंकड़ा पर्याप्त नहीं है, बल्कि सभी प्रमुख ब्लड ग्रुप का संतुलित स्टॉक बनाए रखना भी जरूरी है।

रहवासियों में आक्रोश, बोले- बारिश के मौसम में संक्रमण का खतरा, स्कूल और बुजुर्गों की मौजूदगी के बावजूद लापरवाही

खुले में खाली किया जा रहा सेप्टिक टैंक का मटेरियल

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शहर के इंदिरा नगर शाखा मैदान में सेप्टिक टैंक से निकला गंदा मटेरियल खुले में खाली किए जाने का मामला सामने आया है। बारिश के मौसम के बीच रहवासी क्षेत्र में इस तरह से सेप्टिक टैंक का अपशिष्ट खाली किए जाने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है। रहवासियों का कहना है कि आसपास छोटे बच्चों के स्कूल होने के साथ ही बड़ी संख्या में बुजुर्ग और परिवार रहते हैं, ऐसे में खुले में गंदगी फैलाने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के अनुसार सेप्टिक टैंक का मटेरियल खुले मैदान में खाली किया जा रहा है। बारिश होने के कारण इसके बहने और आसपास फैलने की आशंका भी बनी हुई है। इससे दुर्गंध, गंदगी और मच्छरों की समस्या बढ़ सकती है। रहवासियों का सवाल है कि लोग सेप्टिक टैंक इसलिए साफ करवाते हैं ताकि गंदगी और संभावित संक्रमण से बचा जा सके, लेकिन यदि निकला हुआ अपशिष्ट ही खुले रहवासी क्षेत्र में डाल दिया जाए तो समस्या और गंभीर हो सकती है।

बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता

रहवासियों ने बताया कि इंदिरा नगर शाखा मैदान के आसपास छोटे बच्चों के स्कूल भी हैं। इसके अलावा क्षेत्र में बुजुर्ग और परिवार रहते हैं। ऐसे में खुले में सेप्टिक टैंक का मटेरियल डाले जाने से दुर्गंध और गंदगी के साथ स्वास्थ्य संबंधी जोखिम की आशंका बनी हुई है। बारिश के दौरान अपशिष्ट पानी के साथ आसपास फैलने पर स्थिति और खराब हो सकती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार का अपशिष्ट डालना स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर तत्काल अपशिष्ट हटाया जाए और भविष्य में ऐसी सामग्री को निर्धारित एवं सुरक्षित स्थान पर ही निस्तारित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कर्मचारियों के रवैये से भी नाराजगी

रहवासियों का आरोप है कि जब उन्होंने मौके पर मौजूद नगर निगम कर्मचारियों से खुले में मटेरियल खाली किए जाने को लेकर आपत्ति जताई तो कर्मचारियों की ओर से उन्हें अपने काम से काम रखने और हस्तक्षेप नहीं करने की बात कही गई। इस रवैये को लेकर भी क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या सामने आने पर सवाल उठाना उनका अधिकार है। उन्होंने नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की जांच कराने और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देने की मांग की है।

नगर निगम से तत्काल कार्रवाई की मांग

रहवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि इंदिरा नगर शाखा मैदान में खुले में डाले गए सेप्टिक टैंक के मटेरियल को तत्काल हटाया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बारिश के मौसम में किसी रहवासी क्षेत्र, मैदान या स्कूल के आसपास इस प्रकार का अपशिष्ट खुले में न डाला जाए।

पेड़ सूखे तो सस्पेंड होंगे एसडीओ, सब इंजीनियर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ भोपाल

अब तक घटिया सड़क निर्माण के मामले में निलंबन और अन्य विभागीय सजा पाने वाले लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों को अब सड़कों के किनारे लगाए गए पेड़ सूखने या उनकी देखभाल में कमी पर सस्पेंड किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने पेड़ सूखने के मामले में एसडीओ और सब इंजीनियर को सीधा जिम्मेदार मानने का फैसला किया है। लोक निर्माण विभाग ने अब इसके लिए प्रमुख अभियंता को इस तरह के मामलों में सख्ती करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार को लोक निर्माण विभाग मंत्रालय ने इसको लेकर जारी ताजा निर्देश में कहा है कि मार्गों के किनारे लगाए गए पौधों और पेड़ों के संरक्षण एवं रखरखाव में किसी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। पौधों के तनों के चारों ओर तय मानक के अनुसार 45 सेंटीमीटर तक मिट्टी, मुरम की व्यवस्था की जाए। निर्माण कार्यों और मार्गों के निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर इन निदेर्शों का समुचित पालन नहीं पाया गया। ऐसे ही एक मामले में भोपाल में एक सब इंजीनियर को सस्पेंड भी किया जा चुका है। मंत्रालय से जारी आदेश में सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता से कहा गया है कि अपने अधिकार क्षेत्र में इस मामले में सख्ती से कार्य कराएं और मॉनिटरिंग कराएं।

आरटीओ और यातायात पुलिस से हस्तक्षेप की मांग

सभी रूटों पर बसों की ओवरलोडिंग बनी परेशानी

क्षमता से अधिक सवारियों के कारण यात्रियों को करना पड़ रहा असुविधाजनक सफर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

इंदौर-उज्जैन मार्ग सहित उज्जैन पहुंचने वाले विभिन्न प्रमुख मार्गों पर संचालित प्राइवेट बसों में ओवरलोडिंग का मामला यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को बैठाए जाने के कारण कई बार यात्रियों को सीट नहीं मिलती और उन्हें खड़े होकर सफर करना पड़ता है। भीड़भाड़ की स्थिति में यात्रियों को एक-दूसरे से सटकर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

यात्रियों का कहना है कि इंदौर-उज्जैन मार्ग पर दिनभर बड़ी संख्या में बसों का संचालन होता है। इसके अलावा देवास, नागदा, आगर, तराना, मक्सी और अन्य क्षेत्रों से उज्जैन आने-जाने वाली बसों में भी कई बार क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने की शिकायतें सामने आती हैं। बसों में सीटें भर जाने के बाद भी रास्ते में यात्रियों को बैठाया जाता है और कई बार खड़े यात्रियों के साथ सफर जारी रखा जाता है।

यात्रियों के अनुसार बस संचालक अधिक से अधिक यात्रियों को बैठाने के प्रयास में निर्धारित क्षमता का ध्यान नहीं रखते। बस की सभी सीटें भर जाने के बाद भी रास्ते में मिलने वाले यात्रियों को बस में बैठाया जाता है। इससे बस के अंदर अत्यधिक भीड़ हो जाती है। लंबे रूट पर सफर करने वाले यात्रियों को इस स्थिति में काफी परेशानी होती है।

सुरक्षा को लेकर भी चिंता

ओवरलोडिंग केवल यात्रियों की सुविधा से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि सड़क सुरक्षा से भी इसका सीधा संबंध है। क्षमता से अधिक सवारियां होने पर बस के अंदर आवाजाही मुश्किल हो जाती है। अचानक ब्रेक लगने या किसी आपात स्थिति में यात्रियों को बाहर निकलने में भी परेशानी हो सकती है। यात्रियों का कहना है कि सड़क पर चलने वाले वाहनों की नियमित जांच की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की है। यदि बसों में लगातार क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जा रही हैं तो समय-समय पर जांच कर नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

आरटीओ और यातायात पुलिस से हस्तक्षेप की मांग

यात्रियों ने आरटीओ और यातायात पुलिस से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि इंदौर-उज्जैन मार्ग के साथ ही उज्जैन से जुड़े सभी प्रमुख रूटों पर प्राइवेट बसों की नियमित जांच की जाए। बसों की निर्धारित यात्री क्षमता की जांच करने के साथ ही ओवरलोडिंग पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पहले ड्रेनेज, अब नर्मदा... एक ही सड़क की एक माह में दो बार की गई खुदाई

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

वार्ड क्रमांक-4 की द्वारकाधीश कॉलोनी के दो नंबर गेट पर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पिछले माह ड्रेनेज लाइन डालने के लिए सड़क खोदी गई थी। काम पूरा होने के बाद सड़क की मरम्मत कर दी गई, लेकिन अब नर्मदा जल कनेक्शन देने के लिए उसी सड़क को दोबारा खोद दिया गया है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यदि नर्मदा लाइन का कार्य पहले से प्रस्तावित था, तो ड्रेनेज लाइन के दौरान ही दोनों काम एक साथ किए जा सकते थे। एक ही सड़क को बार-बार खोदने से लोगों को आवाजाही में परेशानी के साथ सरकारी धन की भी बबार्दी हो रही है। रहवासियों ने नगर निगम से विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर विकास कार्य कराने की मांग की है।

एकाग्रता के दुश्मन

अतिचेतन भूमि पर जाने का एकमात्र उपाय है–एकाग्रता। हमने देखा है कि पूर्व संस्कार एकाग्रता पाने में हमारे प्रतिबंधक हैं। तुम सभी ने गौर किया होगा कि ज्योंही तुम सब अपने मन को एकाग्र करने का प्रयत्न करते हो, त्योंही तुम्हारे अंदर नाना प्रकार के विचार भटकने लगते हैं। ज्योंही तुम ईश्वर–चिंतन की चेष्टा करते हो, ठीक उसी समय ये संस्कार जाग उठते हैं। दूसरे समय में वे उतने कार्यशील नहीं रहते; किंतु ज्योंही तुम उन्हें भगाने की कोशिश करते हो, त्योंही वे आ जाते हैं और तुम्हारे मन को आच्छादित करने का भरसक प्रयत्न करते हैं। आखिर इसका कारण क्या है? इस एकाग्रता के अभ्यास के समय ही वे इतने प्रबल क्यों हो उठते हैं?

इसका कारण यही है कि तुम उनको दबाने की चेष्टा कर रहे हो और वे अपने पूरे बल से प्रतिक्रिया करते हैं। अन्य समय वे इस प्रकार अपनी ताकत नहीं लगाते। इन पूर्व संस्कारों की संख्या भी अगणित है। चित्त के किसी स्थान में वे चुपचाप बैठे रहते हैं और बाघ के समान झपटकर आक्रमण करने के लिए मानो हमेशा घात में रहते हैं! उन सबको रोकना होगा, ताकि हम जिस भाव को मन में रखना चाहें, वही आए और दूसरे सब भाव चले जाएं। ऐसा न होकर वे सब तो उसी समय आने के लिए संघर्ष करते हैं।

मन की एकाग्रता में बाधा डालने वाली ये ही संस्कारों की विविध शक्तियां हैं। अतएव समाधि की बात कही गई। समाधि का अभ्यास सबसे उत्तम है; क्योंकि वह उन संस्कारों को रोकने में समर्थ है। इस समाधि के अभ्यास से जो संस्कार उत्पन्न होगा, वह इतना शक्तिमान होगा कि वह अन्य सभी संस्कारों का कार्य रोककर उनको वशीभूत करके रखेगा।

सम्पादकीय

पेपर लीक का सच

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ज्यादा समय लिए बगैर आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। सीबीआई ने साफ कर दिया कि यह लीक अचानक नहीं हुई, इसके लिए आरोपियों ने बहुत सोच-समझकर साजिश रची थी। गहरी साजिश के तहत परीक्षा लेने वाली एजेंसी एनटीए में सेंधमारी की गई थी और तीन विशेषज्ञों को साजिश में शामिल कर लिया गया था। अब तो नाम ही सामने आ गए हैं कि रसायन विज्ञान के लिए पीवी कुलकर्णी, भौतिक विज्ञान के लिए मनीषा संजय हवलदार और वनस्पति विज्ञान व प्राणी विज्ञान के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधारे को साजिशकर्ताओं ने अपने साथ मिला लिया था। दिल्ली की एक अदालत में दाखिल किए गए करीब 20,000 पन्नों के आरोपपत्र में आरोपियों का पूरा कच्चा-चिट्ठा खोल दिया गया है। अब विशेष रूप से गठित फास्ट ट्रैक अदालत से यह उम्मीद की जाएगी कि वह आरोपपत्र पर पूरी गति से काम करे। यथोचित सुनवाई हो और दोषियों को ऐसे दंडित किया जाए कि मिसाल बन जाए।

पेपर लीक के मामले पूरे देश में सामने आए हैं और जिनसे देश की शिक्षा पर दाग लगे हैं। इतना बड़ा आंदोलन हुआ है और देश के शिक्षा मंत्री को भी इस्तीफा देना पड़ा है। नीट-यूजी परीक्षा से खिलवाड़ करने वालों ने केवल छात्रों को ही नहीं, बल्कि देश को भी धोखा दिया है। कोई संदेह नहीं कि परीक्षा से जुड़े लोगों पर कड़ी निगरानी की जरूरत है, उनके प्रति किसी भी स्तर पर नरमी बरतना ठीक नहीं है। इस पेपर लीक मामले में जांच से पता चला है कि आरोपी विशेषज्ञों को अनुवाद/पुनः अनुवाद प्रक्रिया के दौरान रफ वर्क के लिए गोपनीय अनुभाग के अंदर ही सादे कागज उपलब्ध कराए गए थे। प्रमुख आरोपी पीवी कुलकर्णी ने इन कागजों का इस्तेमाल छोटी-छोटी पर्चियों पर रसायन विज्ञान के 135 प्रश्नों और उनके उत्तरों को संक्षेप में लिखने के लिए किया। इतना ही नहीं, गोपनीय अनुभाग से यह आरोपी अपने लिखे हुए कागज के साथ आसानी से बाहर भी आ गया। इससे पता चलता है, एनटीए से जुड़े विशेषज्ञों पर कड़ाई की पूरी व्यवस्था नहीं थी। अगर संभव हो, तो अब परीक्षा होने तक ऐसे विशेषज्ञों को गोपनीय अनुभाग से बाहर नहीं आने देना चाहिए। उनके रहने, काम करने की पूरी व्यवस्था अलग से सुनिश्चित होनी चाहिए।

संदर्भ -अमेरिकी सांसद राइली मूर का बयान

धर्मांतरण पर रोक के लिए एफसीआरए पर अंकुश जरूरी

प्रमोद भार्गव
(दैनिक अवन्तिका)

विदेशी अंशदान विनिमय अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक में बाधा विपक्ष के साथ विदेशी ताकतें भी बन रही हैं। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने इस संशोधन पर आपात्ति उठाते हुए कहा है कि भारत गैर-सरकारी संगठनों ट्रस्टों शैक्षिण्क संस्थानों और धार्मिक संगठनों को विदेश से मिलने वाले चंदे से संबंधित कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई है, उन्होंने यहां तक कह दिया कि इस पहल से भारत और अमेरिका के बीच बने चले आ रहे द्विपक्षीय संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। मूर ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि अमेरिका के अलावा अन्य यूरोपीय देश भी भारत में एनजीओ के माध्यम से ईसाईकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। इस्लामिक देशों से मतांतरण के लिए आ रहा धन आतंकी साजिशों में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अतएव राष्ट्रहित के लिए इस विधेयक में संशोधन आवश्यक है।

केंद्र सरकार ने विदेशी चंदा नियमन कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले करीब 20,000 स्वयंसेवी संगठनों को अयोग्य करार देते हुए इनके लाइसेंस पहले ही खरिज कर दिए हैं। यह कार्यवाही तब की गई थी, जब इनके बही-खातों की जांच में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं थीं। इससे साफ होता है कि सेवा के बहाने ये एनजीओ गोरखधंधे में लगे हुए थे। इनके इतर गृह मंत्रालय ने 13000 संगठनों को विदेशी चंदा लेने के योग्य ठहराया हुआ है। इस कार्यवाही से यह सवाल खड़ा होता है कि आखिरकार देश में इतने गैरसरकारी संगठन क्यों हैं और इनके बने रहने का औचित्य क्या है ? इन संगठनों के विधान में यह मूल भावना निहित रहती है कि ये संगठन लोगों में जागरुकता लाकर उनके जीवन में उल्लेखनीय बदलाव के वाहक बनेंगे, लेकिन इस उद्देष्य से भटकर अपवादस्वरूप कुछ एनजीओ को छोड़ दें तो ज्यादातर एनजीओ देशी व विदेशी अनुदान पाकर निजी हित साधने और मतांतरण जैसे गोरखधंधे में लगे हैं।

जिन एनजीओ को फॉरेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत चंदा मिलता है, वे अनाथालय, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता अभियान चलाने के लिए विदेशों से बेहिसाब चंदा लेते हैं, किंतु इस्लाम व ईसाई धर्म से जुड़े एनजीओ धर्मांतरण में लगे हैं। आधुनिक अथवा नवीन स्वयंसेवी संगठनों को सरकार की जटिल शासन प्रणाली के ठोस विकल्प के रूप में देखा गया था। उनसे उम्मीद थी कि वे एक उदार और सरल कार्यप्रणाली के रूप में सामने आएंगे। चूंकि सरकार के पास ऐसी कोई जादू की छड़ी नहीं होती कि वह हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान कर सके। इस परिप्रेक्ष्य में विकास संबंधी कार्यक्रमों में आम लोगों की सहभागिता की अपेक्षा की जाने लगी और उनके स्थानीयता से जुड़े महत्व व ज्ञान परंपरा को भी स्वीकारा जाने लगा। वैसे भी सरकार और संगठन दोनों के लक्ष्य मानव के सामुदायिक सरोकारों से जुड़े हैं। समावेशी विकास की अवधारणा भी खासतौर से स्वैच्छिक संगठनों के मूल में अंतर्निहित है। बावजूद प्रशासनिक तंत्र की भूमिका कायदे-कानूनों की संहिताओं से बंधी है। लिहाजा उनके लिए मयार्दा का उल्लंघन आसान नहीं होता। जबकि स्वैच्छिक संगठन किसी आचार संहिता के पालन की बाध्यता से स्वतंत्र हैं। इसलिए वे धर्म और सामाजिक कार्यों के अलावा समाज के भीतर मथ रहे उन ज्वलंत मुद्दों को भी हवा देने लग जाते हैं, जो उज्जवल भविष्य की संभावनाओं और तथाकथित परियोजनाओं के संभावित खतरों से जुड़े होते हैं।

एफसीआरए कनून बनने से पहले गैर सरकारी संगठनों का जो मौजूदा स्वरूप था, वह देशी अथवा विदेशी सहायता नियम अधिनियम के चलते राजनीति से जुड़े दल विदेशी आर्थिक मदद नहीं ले सकते थे। लेकिन स्वैच्छिक संगठनों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं था। इसलिए खासतौर से पश्चिमी व इस्लामिक देश अपने प्रच्छन्न मंसूबे साधने के लिए उदारता से भारतीय एनजीओ को अनुदान देने में लगे हैं। आठवें दशक में इन संगठनों को समर्थ व आर्थिक रूप से संपन्न बनाने का काम काउंसिल फॉर एडवांसमेंट ऑफ पीपुल्स एक्शन (कपार्ट) ने भी किया। अपने मूल उद्देष्य से भटके इनमें से ज्यादातर एनजीओ अब सर्वोच्च व उच्च न्यायालयों में पर्यावरण तथा सामाजिक विसंगतियों से जुड़े मुद्दों की जनहित याचिकाएं लगाकर अपना अस्तित्व बचाए हुए हैं।

कई एनजीओ आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद न केवल उनकी जमानत का इंतजाम करते हैं, बल्कि उनके मुकदमें लड़ने के लिए कई-कई बड़े वकील भी खड़े करके शीर्ष न्यायालय का दरवाजा भी आदि रात को खुलवा लेते हैं।

भूमण्डलीय परिप्रेक्ष्य में नव उदारवादी नीतियां लागू होने और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आगमन का सिलसिला परवान चढ़ने के बाद तो जैसे एनजीओ के दोनों हाथों में लड्डू आ गए थे। देखते-देखते दो दशक के भीतर ये संगठन सरकार के समानांतर एक बड़ी ताकत के रूप में खड़े हो गए। बल्कि विदेशी धन और संरक्षण मिलने के कारण ये न केवल सरकार के लिए चुनौती साबित हुए, अलबत्ता आंख दिखाने का काम भी करने लगे। आतंकवादियों और धर्मांतरण में लगे एनजीओ ऐसा ही कर रहे हैं। तथाकथित धर्मनिरपेक्ष वामपंथी बौद्धिक भी लालच में आकर इनकी पैरवी में खड़े हो जाते हैं। यही काम अब राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस कर रही है। गोया, इनकी यह पैरवी मतांतरण को प्रोत्साहित करती है।

भारत में स्वैच्छिक भाव से दीन-हीन मानवों की सेवा एक सनातन परंपरा रही है। वैसे भी परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता भारतीय दर्शन और संस्कृति का अविभाज्य हिस्सा है। पाप और पुण्य के प्रतिफलों को भी इन्हीं सेवा कार्यों से जोड़कर आज भी देखा जाता है। किंतु वर्तमान गैर सरकारी स्वैच्छिक संगठनों को देशी-विदेशी धन के दान ने इनकी आर्थिक निर्भरता को दूशित तो किया ही है, इनकी कार्यप्रणाली को भी अपारदर्शी व भारत विरोधी तक बना दिया है। इसलिए ये विकारग्रस्त तो हुए ही अपने बुनियादी उद्देश्यों से भी भटक गए। इस लिहाज से जो धार्मिक व सांस्कृतिक संगठन हैं, उनकी गतिविधियों पर यह नजर रखने की जरूरत है कि वे बहरूपिया बनकर धर्मांतरण को बढ़ावा तो नहीं दे रहे ? अतएव नए संशोधनों के जरिए विदेशी धन में पारदार्शिता लाना राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित करने के साथ यह भी सुनिष्चित करना है कि चंदे में मिले विदेशी धन का उपयोग मतांतरण के लिए तो नहीं हो रहा है। क्योंकि लंबे समय से चले आ रहे इस मतांतरण ने भारत के अनेक राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व में बड़ी विसंगति पैदा कर दी है।

राजनीतिक विरोधी भी परस्पर रचनात्मक सहयोगी बने

राजनेताओं द्वारा आरोप-प्रत्यारोप की प्रक्रिया को ही राजनीतिक धर्म मानते हुए सक्रिय राजनीति का पर्याय समझ लिया गया है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों का वास्तविकता से नाता टूटता जा रहा है। अलग-अलग संदर्भों में अलग-अलग तर्क, विषय विशेष को लेकर अलग अलग व्याख्या करते हैं । ऐसे में स्वाभाविक रूप से किसी भी विषय का सर्वमान्य प्रतिपादन कतई संभव नहीं होता। नतीजतन भ्रमित होना आम नागरिकों की नियति बन गई है। आज स्थिति यह है कि किसी भी विषय पर अलग-अलग विचारधाराएं अपने अलग-अलग पूर्वाग्रह के आधार पर किसी नतीजे पर पहुंचती है।

यह भी देखा गया है कि विषय विशेष को लेकर प्रामाणिकता के आधार को भी संदिग्ध करार दिया जाने लगा है। इन हालातों में हो यह रहा है कि हर एक आदमी महज अपने-अपने पूर्वाग्रह के आधार पर ही विषय विशेष को लेकर अपना अभिमत रखने को विवश है। राजनीति में तर्क-वितर्क का स्थान कुतर्क ने ले लिया है। वह समय अब नहीं रहा जब राजनीति में उच्चस्तरीय आदर्शों का परिपालन किया जाता रहा था। आए दिन राजनीतिज्ञों के उलजलूल बयानों से लोकतंत्र में राजनीतिक मर्यादाएं तार-तार होती जा रही है। अनर्गल प्रलापों का सिलसिला निरंतर जोर पकड़ता जा रहा है।

राजनीति में शुचिता और पवित्रता बीते दौर की बात होती जा रही है। येन-केन-प्रकारेण सत्ताप्राप्ति की चाहत में नैतिक मूल्यों को ताक पर रख दिया गया है। निराधार आरोप तथा आधार सहित आरोप मैं कोई अंतर नहीं रह गया है। वर्तमान दौर में हवा में तैरते आरोप हर एक को संदेह के दायरे में लिए हुए हैं। लगभग यही स्थिति सामाजिक जनजीवन में स्पष्ट तौर पर दिखाई देती है।

– राजेंद्र बज

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 09 अगस्त 2026 रविवार
सूर्योदय - 06:05 सूर्यास्त 19:00
श्रावण मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 16:30 से 18:00 तक
तिथि - एकादशी 11:05 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - मृगशिरा 14:43 उपरांत आर्द्रा
योग - हर्षण 02:04 उपरांत वज्र
करण - बालव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण मिथुन में रहेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 25 तारिख

मेष- आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, धन संचय करने में सफलता मिलेगी। वाणी में सौम्यता बनी रहेगी।

वृषभ- पार्टनर के साथ किसी पारिवारिक विषय पर चर्चा सुखद रहेगी। खानपान पर ध्यान दें।

मिथुन- मंगल आपकी राशि में होने से ऊर्जा बनी रहेगी, पर फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

कर्क- कामकाज के सिलसिले में दूर की यात्रा करनी पड़ सकती है। दफ्तर में वाद-विवाद से दूर रहें और अपने काम पर ध्यान दें।

सिंह- लव पार्टनर के साथ संयम और समझदारी से पेश आएं। नींद पूरी न होने से आंखों में थकान या सिरदर्द हो सकता है।

कन्या- शुक्र आपकी राशि में होने से रचनात्मकता और आकर्षण बढ़ेगा।

तुला- धार्मिक या सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक- लव लाइफ के लिए दिन बेहद रोमांटिक और यादगार रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

धनु- नौकरी-पेशा लोगों के लिए दिन थोड़ा व्यस्त लेकिन लाभदायक रहेगा। कार्य स्थल पर अपने काम को लेकर स्पष्टता बनाए रखें।

मकर- अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाने की जरूरत है। प्रेम संबंधों में किसी पुरानी बात को लेकर तनाव न बनने दें।

कुंभ- सुख-सुविधाओं की वृद्धि होगी और प्रॉपर्टी संबंधी काम बनेंगे। माताजी का पूर्ण सहयोग और आशीर्वाद आपको मिलेगा।

मीन- घरेलू मामलों को शांतिपूर्वक निपटाने का प्रयास करें। थकावट महसूस हो सकती है, खान-पान और आराम का ध्यान रखें।

समसामयिक

भूल गए नल, जल और कल को

वर्षा प्रारम्भ होने के पूर्व हमें पानी बचाओ की सीख देने वाले अब पता नहीं कहाँ ध्यान मग्न हो गए हैं? वर्तमान में नल से जल पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है। ऐसे में हम मनमाना खर्च भी कर रहे हैं। हम भूल गए हैं कि यह वही नल है जिसमें हम कभी जल की टपकती हुई एक बूँद को भी व्यर्थ नहीं जाने देते थे। हम भूल गए हैं कि यह वही जल है जो हमें कभी एक दिन छोड़कर, कभी दो दिन छोड़कर मिलता था। ऐसा भी समय आया है कि सात-सात दिन छोड़कर मिलता था। जल के टैंकरों के ऊपर तक लोग चढ़कर जल प्राप्ति का जुगाड़ करते थे। अब इन्द्रदेव की कृपा से चारों तरफ जल ही जल है तो हमारी नजर में इसकी कीमत ही खत्म हो गई है।

डॉ. स्वामीनाथ पाण्डेय
(दैनिक अवन्तिका)

जल है तो कल है पर भाषण देने वाले प्राध्यापक से लेकर भृत्य तक, उद्योगपतियों से लेकर खोमचेवालों तक, पायलट से लेकर रिक्शावाले तक मिल जाएँगे। परन्तु जल के मिलते ही हम कल को भूल जाते हैं। ₹आज तो खर्च करो, कल किसने देखा है₹, बस यही विचार हमारे लिए आने वाले कल में जलसंकट पैदा कर जाता है। अभी हमारी छतों से बहता हुआ पानी निर्बाध बह रहा है। अभी सड़क से बहता हुआ पानी नालों से होता हुआ नदियों में जा रहा है। कहीं भी हारवेस्टिंग की व्यवस्था नहीं की जा रही है। जब जल संकट था, तब जगह-जगह रूफ हार्वेस्टिंग की बात की जाती थी। तालाबों के लिए भी योजना बनी थी। बड़ा तालाब नहीं तो डबरी बनाकर भी पानी रोकने की बात की जाती थी। शहरों में अपने-अपने छत के पानी को जमीन में उतारने पर भी खूब चर्चा हुई थी। परन्तु अब लगता है कि वह चर्चा केवल कागजी थी, वास्तव में इस पर कोई काम कर ही नहीं रहा है। ठीक है ! आज आपके पास नल है, उसमें जल आ रहा है तो आप उसका उपयोग करने के बजाय दुरुपयोग अधिक कर रहे हैं। ध्यान रहे यदि आपने जल भण्डारण नहीं किया तो आपका आने वाला कल निश्चित रूप से दुखदाई होगा, जिसके जिम्मेदार आप स्वयं होंगे। और अधिक कुछ नहीं कर सकते तो कम से कम अपने छत के पानी को किसी ऐसे गड्ढे में उतारें, जहाँ से रिसकर वह भूजल स्तर को बढ़ाने में सहयोगी हो। कुएँ समाप्त हो चुके हैं। उनका स्थान हैण्डपम्प ने लिया। वे भी समाप्त हो गए। इस समय बोरिंग का जोर है। वे भी सूख रहे हैं। जल स्तर निरन्तर नीचे जा रहा है। एक दिन ऐसा भी आ सकता कि हजार फीट बोरिंग के बाद भी जल न मिले। फिर आपकी आने वाली पीढ़ी क्या करेगी? शास्त्र कहते हैं कि **जल ही जीवन है**। कहीं भी दूध को, घी को और काजू-बादाम को जीवन नहीं कहा गया है। अतः जल संरक्षित कीजिए और अपने कल को सुरक्षित कीजिए।

तिरंगा

बलिदानियों के बलिदान से, देश आजाद हमारा है
लहराता है जब तिरंगा ,लगता कितना प्यारा है।
कश्मीर से कन्याकुमारी तक,भारत को सबने संवारा है
मिली आजादी से भारत ,अब लगता कितना प्यारा है
बहती गंगा–जमुना सी नदियाँ ,यहाँ की पावन धारा है
लहराता है जब तिरंगा ,लगता कितना प्यारा है
बलिदानियों के बलिदान से, हुआ देश आजाद हमारा है।
आजाद होने के लिए सबने भारत माँ को पुकारा है
भारत मां का वंदन करके,बलिदानियों ने सब को तारा है
खुली बेड़ियाँ बलिदानियों से, अब तो स्वतंत्रता ही सहारा है
लहराता है जब तिरंगा ,लगता कितना प्यारा है
बलिदानियों के बलिदान से, हुआ देश आजाद हमारा है।
वन्दे मातरम के नारों को ,मिलकर सबने पुकारा है
भारत के कर्णधारों को ,तब भारत माँ ने दुलारा है
आजाद की मातृभूमि का, भाबरा कितना प्यारा है
लहराता है जब तिरंगा ,लगता कितना प्यारा है
बलिदानियों के बलिदान से, हुआ देश आजाद हमारा है।

संजय वर्मा
दैनिक अवन्तिका

हार्ट अटैक से जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा

हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को शरीर में कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। इससे हार्ट अटैक से लेकर स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा हो सकता है। लाइफस्टाइल में गड़बड़ी को हाइपरटेंशन की बढ़ती समस्या का प्रमुख कारण माना जाता रहा है।

हाइपरटेंशन की स्थिति और इसके जोखिमों को लेकर तो हम सभी जानते हैं पर क्या आपने पल्मोनरी हाइपरटेंशन के बारे में सुना है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह बीमारी तेजी से बढ़ती जा रही है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। पल्मोनरी हाइपरटेंशन भी उच्च रक्तचाप का ही एक प्रकार है जो फेफड़ों और हृदय के दाहिने हिस्से की धमनियों को प्रभावित करता है। पल्मोनरी हाइपरटेंशन के एक प्रकार जिसे पल्मोनरी आर्टरियल हाइपरटेंशन कहा जाता है, इसमें फेफड़ों में रक्त वाहिकाएं संकुचित, अवरुद्ध या क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस तरह की स्थिति के कारण फेफड़ों के माध्यम से रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है, जिसके कई तरह के दुष्प्रभाव हैं।

पल्मोनरी हाइपरटेंशन का बढ़ता जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पल्मोनरी हाइपरटेंशन कुछ लोगों में गंभीर और जानलेवा भी हो सकती है, ऐसे में इसके खतरे को लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी की समस्या बढ़ती जा रही है, इन रोगों का जोखिम भी बढ़ रहा है।

इससे बचाव के लिए जरूरी है कि हम निरंतर प्रयास करते रहें जिससे इसके जोखिमों को कम किया जा सके।

पल्मोनरी हाइपरटेंशन की समस्या विकसित होने के कई कारण हो सकते हैं। इसमें लाइफस्टाइल और आहार से संबंधित दिक्कतों के अलावा कुछ प्रकार के अंतर्निहित कारण जैसे जन्मजात हृदय रोग, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हाई ब्लड प्रेशर, लिवर के रोग (सिरोसिस), फेफड़ों में रक्त के थक्के बनने जैसे स्थितियां शामिल हैं।

सामान्य तौर पर फेफड़ों में रक्त वाहिकाओं के माध्यम से हृदय के बाईं ओर आसानी से रक्त प्रवाहित होता है लेकिन फेफड़ों की धमनियों को लाइन करने वाली कोशिकाओं में परिवर्तन के कारण धमनी की दीवारें संकीर्ण, कठोर, सूज सकती हैं। ये परिवर्तन फेफड़ों के माध्यम से रक्त के प्रवाह को धीमा कर देते हैं, जिससे इस गंभीर रोग होने का खतरा कम हो सकता है।

पल्मोनरी हाइपरटेंशन का इलाज और बचाव

पल्मोनरी हाइपरटेंशन का कोई इलाज नहीं है, हालांकि लक्षणों को सुधारने और इसके जोखिमों को कम करके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए दवाइयों और कुछ प्रकार की थेरेपी की मदद ली जा सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाल में कुछ प्रकार के बदलाव की स्थिति इस रोग के जोखिमों को कम करने में मददगार हो सकती है।

साबुत अनाज, फल और सब्जियां, लीन मीट और कम वसा वाले डेयरी उत्पादों से भरपूर स्वस्थ आहार का सेवन करना हाइपरटेंशन के खतरे को कम कर सकता है। इसके अलावा जितना संभव हो उतना सक्रिय रहें और वजन नियंत्रित करें।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6500 से 6600 विशाल 6300 से 6400 मसूर 6000 महाराष्ट्र सफेद 7700 से 7900 महाराष्ट्र लाल 8000 से 8200 कर्नाटक 8100 से - 8300 निमाड़ी तुअर 6500 से 7600 मूंग बेस्ट गर्मी 7200 से 7500 मूंग बेस्ट बोल्ड 7600 से 7800 मीडियम बोल्ड 7400 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 9300 से 9500 उड़द गर्मी 8600 से 9300 ग्रेविटी क्लीन 9700 से 10000 हल्का उड़द 4000 से 6000 काबुली डॉलर 7500 से 8800 काबुली रशियन 6100 से 6200 बिटकी 5300 से 5400 सरसों निमाड़ी 8100 से 8300 रायडा 7100 से 7200 करंज 5000 से 5200 सोयाबीन 7000 टोली 5300 से 5400 अलसी 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकबन 2750 से 2800 पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7400 से 7500 मीडियम 7800 से 7900 बेस्ट 8000 से 8300 तुअर दाल 7300 से 7500 मीडियम 8400 से 8700 बेस्ट 9900 से 10100 एक्स्ट्रा बेस्ट -10900 से 11000 ब्रांडेड 12500 मूंग दाल 8900 से 9000 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2462-2946, काबली- 5130-8211, बड़ा- 4570-5600, मसूर- 5801-7271, सरसो- 7050-7601, सोयाबीन 3536-7381, तुवर- 4250-4250, तिल्ली- 10491-11001, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,46,200 रवा- 1,46,000 चांदी- टंच- 2,31,000 पाट- 2,30,000।

धर्म-आस्था

कांवड़ यात्राः आस्था से आगे, वैज्ञानिक जीवनशैली का संदेश

डा मनमोहन प्रकाश
(दैनिक अवन्तिका)

भारत की सनातन परंपरा में कांवड़ यात्रा केवल भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति की अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, संयम, सेवा, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति सम्मान का भी सशक्त संदेश देती है। यदि इस यात्रा को आधुनिक विज्ञान और समाजशास्त्र की दृष्टि से देखा जाए, तो यह स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन, सामाजिक समरसता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का एक जीवंत उदाहरण प्रतीत होती है। आवश्यकता इस बात की है कि यात्रा के इन सकारात्मक मूल्यों को केवल सावन के कुछ दिनों तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाए।

कांवड़ यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शारीरिक सक्रियता है। सैकड़ों किलोमीटर तक पैदल चलना हृदय, फेफड़ों, मांसपेशियों तथा चयापचय प्रणाली को सक्रिय करता है। चिकित्सा विज्ञान भी स्वीकार करता है कि नियमित पैदल चलना मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा तथा हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। यही कारण है कि कांवड़ यात्रा का संदेश केवल यात्रा तक सीमित न रहकर पूरे वर्ष नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाने की प्रेरणा देता है।

यह यात्रा मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी महत्त्वपूर्ण संकेत देती है। सामूहिक प्रार्थना, भजन, बोल बम के उद्घोष तथा साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने का अनुभव व्यक्ति में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक जुड़ाव की भावना को सुदृढ़ करता है। मनोविज्ञान के अनुसार सामाजिक सहभागिता, ध्यान, प्रार्थना और योग जैसी गतिविधियाँ तनाव प्रबंधन तथा मानसिक संतुलन में सहायक हो सकती हैं। आज जब तनाव, अवसाद और अकेलेपन की समस्या बढ़ रही है, तब इन सकारात्मक अभ्यासों को दैनिक जीवन में स्थान देना समय की आवश्यकता है। कांवड़ यात्रा अनुशासित जीवन का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यात्री समयबद्ध दिनचर्या अपनाते हैं, सात्विक भोजन करते हैं, संयम का पालन करते हैं तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हैं। यदि यही अनुशासन, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और आत्मनियंत्रण जीवन का स्थायी हिस्सा बन जाए, तो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और कार्यक्षमता दोनों में सुधार संभव है।

इस यात्रा का एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक पक्ष भी है। विभिन्न जातियों, भाषाओं, आयु वर्गों और आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग समान उद्देश्य से साथ चलते हैं। मार्ग में स्थापित सेवा शिविरों में भोजन, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएँ बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराई जाती हैं। यह परंपरा भारतीय समाज की सेवा-भावना और सामाजिक समरसता का परिचायक है। यदि यही सहयोग और सेवा की भावना वर्ष भर अस्पतालों, विद्यालयों, वृद्धाश्रमों, पर्यावरण अभियानों तथा अन्य सामाजिक कार्यों में दिखाई दे, तो समाज अधिक संवेदनशील और सशक्त बन सकता है।

कांवड़ में गंगाजल लाने की परंपरा जल के प्रति श्रद्धा और संरक्षण का सांस्कृतिक संदेश भी देती है। ऐसे समय में जब जल संकट वैश्विक चुनौती बन चुका है, यह परंपरा जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन तथा नदियों और अन्य जल स्रोतों की स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने की प्रेरणा प्रदान करती है। आस्था और पर्यावरण संरक्षण का यह समन्वय आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है।

यात्रा के दौरान सीमित संसाधनों में रहना, प्रकृति के निकट समय बिताना तथा कई यात्रियों द्वारा डिजिटल उपकरणों के सीमित उपयोग का अनुभव आधुनिक जीवनशैली के संदर्भ में भी महत्त्वपूर्ण है। आज ₹डिजिटल डिटॉक्स₹ की अवधारणा पर विश्वभर में चर्चा हो रही है। यदि परिवार सप्ताह में कुछ समय मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रहकर संवाद, अध्ययन, प्रकृति और पारिवारिक गतिविधियों को दें, तो मानसिक स्वास्थ्य और पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायता मिल सकती है।

कांवड़ को दोनों कंधों पर संतुलित रखकर चलना केवल शारीरिक संतुलन का नहीं, बल्कि जीवन के संतुलन का भी प्रतीक है। यह संदेश देता है कि जैसे कांवड़ का भार दोनों ओर समान होना चाहिए, वैसे ही जीवन में कार्य और विश्राम, अधिकार और कर्तव्य, भौतिक प्रगति और आध्यात्मिक मूल्यों के बीच भी संतुलन आवश्यक है।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती 75 से 200, तिबार 68 से 130, पोनिया 55 से 85, टुकडी 32 से 65, शेला 36 से 38, परमल 35 से 44, तुवर दाल निमाडी 135 महाराष्ट्र 105 से 120, तुवर दाल 80 से 120, मूंगदाल 85 से 110, मोगर 95 से 120, उड़द मोगर 110 से 120, उडद दाल 95 से 100, मसूरदाल 75 से 78, चना दाल 72 से 80 ।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

देवास। देवास जिले में गत रात हुए सड़क हादसे में एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। दोनों बाइक से बरोठा से किराना सामान लेकर अपने घर लौट रहे थे। गांव से करीब एक किलोमीटर पहले उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार नायता बापच्या निवासी रवि पिता सुमेर रावत (20) और अंदरतिया निवासी अर्जुन रावत (25) बरोठा से नायता बापच्या लौट रहे थे। दोनों घर का किराना सामान लेकर बाइक से जा रहे थे। गांव से करीब एक किलोमीटर पहले उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रवि रावत की मौके पर ही मौत हो गई।

कलेक्टर-एसपी द्वारा मंडी व निकलने वाली कलश यात्रा मार्ग का निरीक्षण

आगर-मालवा। श्रावण माह के दूसरे सोमवार 10 अगस्त को आयोजित होने वाली 51 हजार कलश यात्रा की तैयारियों का कलेक्टर डा. शेर सिंह मीना और पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने पुरानी कृषि उपज मंडी प्रांगण और यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडी परिसर में कलश में जल भरने, श्रद्धालुओं के प्रवेश-निकास, बैरिकेडिंग, पेयजल और सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की गई। इसके बाद यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए।

भैंस चोरी से मोटर-केबल चोरी का खुलासा, 2.69 लाख का माल बरामद

अकोदिया। अकोदिया पुलिस ने भैंस चोरी के मामले की जांच करते हुए क्षेत्र में हुई कई अन्य चोरियों का भी खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक मुर्रा भैंस, चार जलधारा विद्युत मोटर, केबल और एक बाइक सहित करीब 2.69 लाख रुपए का सामान बरामद किया है। ग्राम बोलाई निवासी भूपेंद्र सिंह जादौन ने 5 अगस्त को थाने में करीब 90 हजार रुपये कीमत की मुर्रा भैंस चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पिली खदान क्षेत्र से दो नाबालिगों को भैंस ले जाते हुए पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने सेमली निवासी राजेश बलाई और धीरज बलाई के कहने पर 5-5 हजार रुपये के लालच में चोरी करने की बात कबूल की।

बारिश की बेरुखी से बढ़ी हर वर्ग की चिंता

सोयाबीन पर सूखे और कीटों की दोहरी मार, जलाशय अभी भी खाली

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

अगस्त का पहला सप्ताह बीत गया, लेकिन शुजालपुर क्षेत्र में मानसून अब भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है। विगत एक सप्ताह से आसमान में बादलों की उपस्थिति तो बन रही है लेकिन बारिश नहीं हो रही। कम बारिश के कारण खरीफ सीजन की प्रमुख फसल सोयाबीन पर संकट गहराने लगा है। खेतों में नमी की कमी से फसल की बढ़वार थम गई है, वहीं इल्ली सहित विभिन्न कीटों का प्रकोप बढ़ने से किसान महंगे कीटनाशकों का छिड़काव करने को मजबूर हैं। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। उधर जलाशय भी खाली है।

किसानों का कहना है कि जून और जुलाई में सामान्य से कम वर्षा होने से खेतों में पर्याप्त नमी

नहीं बन सकी। हाल में हुई हल्की बारिश से कुछ उम्मीद जगी थी, लेकिन उसके बाद मानसून फिर कमजोर पड़ गया। नमी की कमी के कारण कई खेतों में सोयाबीन की फ सल पीली पड़ने लगी है और पौधों का विकास प्रभावित हो रहा है। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी वर्षा नहीं हुई तो सोयाबीन की पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। पौधों में फूल और फ लियां बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित होने की आशंका है। क्षेत्र के किसानों की निगाहें अब अगस्त माह की वर्षा पर टिकी हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द अच्छी बारिश हो जाए तो फसलों को काफी हद तक बचाया जा सकता है। हालांकि अब तक संतोषजनक वर्षा नहीं होने से किसानों के साथ आम लोगों की चिंता भी बढ़ती जा रही है।

कम बारिश का असर अब जलस्त्रोतों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। क्षेत्र के अधिकांश तालाब, कुएं और छोटे जलाशय सामान्य वर्षों की तुलना में खाली पड़े हैं। भूजल स्तर में भी अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है। सिंचाई विभाग के एसडीओ बालकृष्ण श्रीवास्तव ने बताया कि अनुविभाग के 21 तालाबों में से मात्र 2 तालाबों में ही पानी की आवक हुई है, शेष सभी खाली पड़े हुए है। उधर किसानों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो इसका असर केवल खरीफ फसलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी रबी सीजन भी प्रभावित होगा। सिंचाई के लिए पानी की कमी होने से गेहूं, चना और सरसों जैसी फ सलों की बोवनी पर भी संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या गहराने की आशंका भी जताई जा रही है।

गत वर्ष से 4 इंच बारिश कम

शाजापुर जिले की विभिन्न तहसीलों के वर्षा आंकड़ों पर नजर डालें तो लगभग सभी तहसीलों में बारिश का आंकडा काफी पिछड़ा हुआ है, शुजालपुर तहसील में गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अगस्त के प्रथम सप्ताह तक 4 इंच अर्थात लगभग 100 एमएम बारिश कम हुई है। भू संसाधन प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार शुजालपुर तहसील क्षेत्र में अब तक लगभग 13 इंच बारिश हुई है, गत वर्ष अगस्त के पहले सप्ताह तक 17 इंच बारिश हुई थी। उधर कालापीपल तहसील में इस वर्ष लगभग 13 इंच, पोलायकलां तहसील में 14 इंच, अवंतिपुर बडोदिया क्षेत्र में 13 इंच, गुलाना तहसील क्षेत्र में लगभग 13 इंच बारिश हुई है। बता दे वर्ष भर का बारिश का सामान्य आंकड़ा 39 इंच के लगभग माना जाता है।

तेल कारोबारी अशोक जैन की 19.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क

रिफाइनरी पाइपलाइन चोरी में यूपी पुलिस ने की कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

मथुरा पुलिस ने देवास निवासी तेल कारोबारी अशोक जैन की करीब 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की है। यह कार्रवाई रिफाइनरी पाइपलाइन से तेल चोरी के तीन साल पुराने मामले में की गई। कार्रवाई बुधवार को हुई थी, जिसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई।

मथुरा पुलिस की टीम बुधवार को देवास पहुंची थी। सोनकच्छ प्रशासन के सहयोग से टीम ने सोनकच्छ तहसील की जमीनों और एक पेट्रोल पंप को सील किया। कुर्क की गई संपत्तियों पर मथुरा जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का बोर्ड लगाया गया। संबंधित गांवों में मुनादी भी कराई गई।

जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य अशोक जैन ने कथित अवैध कमाई से मध्य प्रदेश में कई संपत्तियां खरीदी थीं। इनमें इंदौर स्थित एक पेट्रोल पंप, देवास जिले में तीन कृषि भूमि और दो प्लॉट शामिल हैं। इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इन्हें कुर्क करने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। सोनकच्छ के तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट हर्षल बहरानी ने मथुरा पुलिस की इस कार्रवाई की पुष्टि की है।

3 साल पहले तेल चोरी की थी

पुलिस के अनुसार, करीब तीन साल पहले मथुरा के फरह क्षेत्र के सेरसा गांव के पास रिफाइनरी पाइपलाइन में सेंध लगाकर बड़े पैमाने पर तेल चोरी की गई थी। जांच में इस मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने गिरोह के 11 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की थी।

मंदिर में बच्चों के विवाद में डंडा, थप्पड़ मारे, युवक गिरफ्तार

देवास। देवास के औद्योगिक थाना क्षेत्र स्थित शिखरजी धाम मंदिर परिसर में बच्चों के विवाद को लेकर महिलाओं के बीच मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों पक्षों के परिजन आमने-सामने आ गए और मंदिर परिसर में ही महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ मारपीट शुरू कर दी। वायरल वीडियो में महिलाएं एक-दूसरे के बाल खींचती और हाथापाई करती नजर आ रही हैं। वीडियो में एक महिला के साथ मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह विवाद को शांत कराया। पुलिस ने कृष्णाबाई की रिपोर्ट पर कुछ लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

मोबाइल हैक कर खाते से 5.53 लाख रुपये उड़ाए

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई से पूरी राशि कराई होल्ड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

क्षेत्र के एक किसान का मोबाइल हैक कर बैंक खाते से 5 लाख 53 हजार 983 रुपये की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। शिकायत पर शुजालपुर मंडी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार फ्रीगंज निवासी 27 वर्षीय योगेश्वर पिता रामेश्वर कुर्मी के मोबाइल नंबर से इंडियन बैंक का खाता लिंक है। फरियादी का कहना है कि उसने अपने मोबाइल नंबर से कोई सोशल मीडिया अकाउंट नहीं बनाया है। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे सीहोर से शुजालपुर लौटते समय उसे खाते से 1.43 लाख रुपये डेबिट होने का संदेश मिला। इसके बाद बैंक पहुंचकर स्टेटमेंट निकलवाया तो पता चला कि अलग-अलग यूपीआई ट्रांजेक्शन के माध्यम से उसके खाते से कुल 5,53,983 रुपये निकाल लिए गए। फरियादी ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल हैक कर बैंक खाते से धोखाधड़ी की है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने अपराध दर्ज कर साइबर ठगी की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने पूरी राशि कराई होल्ड

साइबर ठगी के इस मामले में शुजालपुर मंडी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल हैक कर बैंक खाते से निकाली गई 5 लाख 53 हजार 983 रुपए की पूरी राशि प्रथम स्तर पर ही होल्ड करा दी गई, जिससे फ रियादी को बड़ी आर्थिक राहत मिली। पुलिस ने बैंक एवं साइबर तंत्र से समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्रवाई की और ठगी गई पूरी राशि को प्रथम लेयर पर ही होल्ड करा दिया।

फसल बीमा न मिलने पर किसानों का पिड़ावा रोड पर चक्काजाम

प्रीमियम कटने के बाद भी नहीं मिली राशि

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सोयतकलाँ

सोयतकलां स्थित पिड़ावा रोड चौराहे पर शनिवार दोपहर 12 बजे किसानों ने फसल बीमा राशि न मिलने पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। सोयतखुर्द, अमानपुरा और प्रतापपुरा सहित आसपास के ग्रामीणों के प्रदर्शन से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

किसानों का आरोप है कि खरीफ सीजन में सोयाबीन की फसल के लिए उनके बैंक खातों से बीमा प्रीमियम की राशि काटी गई थी। फसल खराब होने के बावजूद उन्हें

अब तक बीमा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। अधिकारियों से बार-बार शिकायत करने के बाद भी समाधान नहीं हुआ।

पूर्व में तहसीलदार को ज्ञापन देकर चेतावनी देने के बाद किसानों ने चक्काजाम का कदम उठाया। किसानों का कहना है कि लागत बढ़ने और नुकसान के बीच बीमा राशि ही आर्थिक सहारा है। सूचना मिलने पर पहुंची प्रशासनिक टीम किसानों को समझाकर स्थिति नियंत्रित करने में जुटी है।

हरियाली उत्सव में कविता, गीत और तीज की उमंग

लेखिका संघ व सखी सहेली डांडिया रास समिति का आयोजन, हरियाली की थीम पर प्रस्तुति

शुजालपुर। लेखिका संघ शुजालपुर एवं सखी सहेली डांडिया रास समिति के संयुक्त तत्वावधान में ब्रज धाम पर हरियाली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और सावन की पारंपरिक लोकभावना का सुंदर संगम देखने को मिला। सभी प्रतिभागी हरे रंग की वेशभूषा में शामिल हुए और उत्सव की थीम को जीवंत बनाया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष ग्रीष्मा शाह, जिला सचिव वीणा गोयल, संरक्षक सदस्य शैलजा देशमुख, अध्यक्ष संध्या धारीवाल, संयोजक रितु विजयवर्गीय तथा पूर्व अध्यक्ष राजकुमारी अग्रवाल मंचासीन रहीं। अतिथियों का स्वागत पौधे, बिंदी और मेहंदी भेंट कर किया गया। काव्य एवं गीतों की प्रस्तुतियों में सोनम चौधरी, कोमल देशमुख, पूनम बंसल, लक्ष्मी खत्री, अनीता अग्रवाल, लता विजयवर्गीय, बबीता चोपड़ा, दीप्ति भारद्वाज, संध्या गोयल, लाज खत्री, संगीता विश्वकर्मा तथा हरभजन कौर ने सावन, हरियाली और तीज पर्व पर आधारित रचनाएं एवं गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस अवसर पर तेजकिरण जैन, परमजीत कौर खालसा, रूपल शाह, पूजा पाटीदार, वर्षा देशमुख, रानी अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, नीलिमा अग्रवाल, अनीता पंवार, नीता सकलेचा, हिमांशी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन वीणा गोयल व आभार रितु विजयवर्गीय ने व्यक्त किया।

अलग-अलग सड़क हादसों में सात घायल दो लोगों को आई गंभीर चोंटे

शुजालपुर। शुजालपुर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में सात लोग घायल हो गए। इनमें आठ माह की गर्भवती महिला

सहित दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें रेफर किया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है। पहला हादसा आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर मेदा मिल के पास हुआ। ग्राम गुर्दाखेड़ी निवासी अनिल मीणा अपनी गर्भवती पत्नी आशा मीणा को उपचार के बाद बाइक से घर ले जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल आशा मीणा को प्राथमिक उपचार के बाद रेफ र किया गया। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। वहीं दूसरा हादसा गत रात शुजालपुर-पचोर नेशनल हाईवे पर कम्युनिटी हॉल के सामने हुआ। चित्तौड़ा लौट रहे रामबाबू मीणा, रमेश मीणा और योगेश मीणा की बाइक की नरसिंहगढ़ की ओर से आ रही दूसरी बाइक से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में दोनों बाइकों पर सवार पांचों लोग घायल हो गए। रामबाबू मीणा और योगेश मीणा को गंभीर चोटें आने पर रेफ र किया गया, जबकि अन्य तीन घायलों का उपचार शुजालपुर अस्पताल में जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भू-स्वामी मांगीलाल पिता श्री भागीरथ एवं उनके पुत्र कैलाश पिता श्री मांगीलाल, निवासी चिंतामन जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) की मालिकी, स्वत्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि ग्राम आकासौदा तह. उज्जैन जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित कृषि भूमि सर्वे नं. 23 रकबा 0.49 हे., मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करने का सौदा तय किया होकर उक्त भूमि की कीमत पेटे आंशिक राशि अदा कर सौदा चिट्ठी/इकरारनामा भी मेरे पक्षकार के हित में निष्पादित करवा लिया गया है।

उक्त वर्णित कृषि भूमि पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय या किसी बैंकिंग संस्था या किसी व्यक्ति विशेष का कोई लेन-देन, भार, बोझ बकाया या कोई पारिवारिक संबंधित विवाद हो या कोई रास्ते अथवा सीमा का विवाद हो तो वह जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 (सात) दिवस के अंदर मय दस्तावेजी प्रमाण के मेरे कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद उक्त भूमि की कीमत की बकाया शेष राशि का भुगतान भू-स्वामी को मेरे पक्षकार द्वारा अदा कर उक्त भूमि का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार के हित में अथवा मेरे पक्षकार द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य व्यक्ति के हित में निष्पादित करवा लिया जावेगा, बाद मियाद उक्त भूमि के सम्बंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति इस जाहिर सूचना के समक्ष शून्य मानी जावेगी। सो सूचित हो।

उज्जैन, दिनांक : 07/08/2026

वर्षा प्रतीक मगरे (सर्विस प्रोवाईडर)
कार्यालय-सी.एफ.-5, भरतपुरी काम्प्लेक्स, उज्जैन (म.प्र.)
मो. नं.- 81099 57096 93295 70707

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी बाबूलाल पिता श्री नानूराम, निवासी-ग्राम ब्रजराजखेड़ी तहसील व जिला उज्जैन से उनके एकल स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक-422/1/2 रकबा 0.50 हेक्टर एवं सर्वे क्रमांक-421/2 रकबा 0.58 हेक्टर में से रकबा 0. 29 हेक्टर कुल किता 02 कुल रकबा 0.79 हेक्टर भूमि जो कि ग्राम हासामपुरा तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.) में स्थित हैं। उपरोक्त वर्णित भूमि को क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार ने किया हैं तथा विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि अदा कर दी हैं। यदि उक्त भूमि को विक्रय या अंतरित किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार, बोझ, हित, अधिकार, आधिपत्य, दानग्रस्त व प्रतिभूति ग्रस्त, अनुबंधग्रस्त, सौदा चिट्ठी, बंधकग्रस्त, डिक्री या वारिसान आदि का कोई हक, हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो या मूल दस्तावेज कहीं बंधकग्रस्त हो तो वह मय प्रमाण के मुझसे इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस में मय प्रमाण मुझे लिखित में आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद अवधि गुजर जाने के पश्चात उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र का पंजीकृत करवा लिया जावेगा । तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारक नहीं होगी। सो सूचित हो । इति दिनांक-08.08.2026

राजेश बांठिया एडव्होकेट
ए-5, भरतपुरी काम्पलेक्स,
देवास रोड़, उज्जैन
मो-98272-64140

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने भूमि स्वामी सज्जनसिंह पिता श्री भंवरसिंह व प्रेमकुंवर पिता श्री भंवरसिंह समस्त जाति राजपूत व्यवसाय कृषि निवासी कृषक ग्राम घट्टिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन म.प्र. से कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 1200 रकबा 0.4000 हैक्टर में से रकबा 0.0800 हैक्टर (आठ आरे) कुल किता 01 कुल विक्रीत रकबा 0.0800 हैक्टर स्थित ग्राम घटिटया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन म.प्र में स्थित होकर से सौदा चिठ्ठी संपादित कर बयाना राशि भी प्राप्त कर ली है एवं समय अवधि में अनुबंध पत्र व पंजीयन भी पूर्ण करवा दिया जावेगा।

यह कि उक्त अनुबंधित भूमि को विक्रय या अंतरित किये जाने मे किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तथा उक्त संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति संस्था बैक, निकाय, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था का या स्थानीय शासन का कोई ऋण भार बोझ या हित अधिकार आधिपत्य बिक्री या वारिसान आदि का कोई हक हित या भार हो या इस विक्रय संव्यवहार में कोई आपत्ति हो तो वह मय प्रमाण के मुझ से इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर स-प्रमाण मुझे कार्यालीयन समय में लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद अवधि उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र पंजीकृत करवा लिया जावेगा। तत्पश्चात कोई आपत्ति मेरे पक्षकार के हितों पर बंधनकारी नहीं होगी। सूचित हो। इति दिनांक-08-08-2026

विष्णु राईया (सर्विस प्रोवाईडर)
ग्राम घट्टिया तहसील घट्टिया जिला उज्जैन (म.प्र.)
मो.नं.-75664-70288

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती सोनू देवी आंजना, पति श्री रतनसिंह आंजना, निवासी 14, आंजना कुंज, सुभाष मार्ग, दूध तलाई, उज्जैन ने भूखण्डस्वामिनी श्रीमती आशा तिवारी, पति श्री अजीतकुमार, आयु 63 वर्ष, निवासी 9, सुभाष नगर बैंक कालोनी, उज्जैन, हाल मुकाम 159/1 रिवेरा टाउन, कोटरा, मैनिट कालेज के पास, भोपाल (म.प्र.) के एकांकी स्वामित्व एवं आधिपत्य के भूखण्ड क्रमांक 1-9 (न्यू नं. 53), स्थित हरि विहार कालोनी, उज्जैन, जिसका कुल क्षेत्रफल 139.40 वर्गमीटर है, उक्त संपत्ति को क्रय करने का अनुबंध कर लिया है तथा बयाना राशि अदा कर दी है। उक्त भूखण्ड की चतुःसीमा इस प्रकार है- पूर्व भूखण्ड क्रमांक 1-8, पश्चिम - भूखण्ड क्रमांक 1-10, उत्तर कालोनी की सड़क, दक्षिण स्नेह नगर कालोनी के भवन है। केवल शेष विक्रय राशि का भुगतान कर विक्रय पत्र का निष्पादन एवं पंजीयन कराया जाना शेष है।

अतः उक्त वर्णित संपत्ति पर यदि किसी बैंक, पेढ़ी, निगम, वित्तीय संस्था अथवा अन्य किसी का कोई ऋण, भार, बंधक, बकाया, हक, हित, हिस्सा, सुखाधिकार अथवा किसी प्रकार की आपत्ति या दावा हो, तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 7 (सात) दिवस के भीतर अपने लिखित दावा/आपत्ति आवश्यक दस्तावेजी प्रमाणों सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे, जिससे उसका विधिसम्मत निराकरण किया जा सके। अन्यथा निर्धारित अवधि व्यतीत हो जाने पर मेरे पक्षकार उक्त संपत्ति का विक्रय पत्र निष्पादित एवं पंजीयन अपने हित में करा लेंगे तथा उसके उपरांत प्राप्त होने वाली किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा मान्य नहीं किया जाएगा।

सो सूचित हो। दिनांक : 07-08-2026 स्थान : उज्जैन

गौरव गौदावत (जैन), एडवोकेट
दुकान नं. डी.एफ.-7, भरतपुरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, देवास रोड,
उज्जैन मोबाइल : 99260-68606

जाहिर सूचना का खण्डन

सुश्री रीति कटारिया (रिया) अधिवक्ता द्वारा दिनांक 30/07/2026 के दैनिक अवन्तिका समाचार पत्र में प्रकाशित जाहिर सूचना का खण्डन।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री रीति कटारिया (रिया) अधिवक्ता द्वारा उनके पक्षकार डॉ. बबलू कुमार सिंह उर्फ बी.आई.सी. पिता इंदरसिंह वर्तमान नियुक्त मॉडरेटर मालवा चर्च काउंसिल मसीही सेवा मण्डल 7, ओल्ड सिहोर रोड़ इन्दौर के द्वारा कस्बा उज्जैन स्थित सर्वे क्रं. 3998/4/5 रकबा 0.3970, सर्वे नंबर 3997/1 रकबा 0.0300 हेक्टेयर मे से 20000 स्कवेयर फीट एवं सर्वे क्र. 3998/1/1 रकबा 0.1360 हेक्टेयर की भूमियो को उनके पक्षकार द्वारा क्रय किये जाने का अनुबंध निष्पादित किया हैं के संबंध में मेरे पक्षकारगण अनुपम चतुर्वेदी, श्रीमती संगीता चतुर्वेदी एवं अक्षय आकांक्षा मेगा एस्टेट प्रायवेट लिमिटेड के निर्देश पर एवं उनकी ओर से निम्नानुसार खण्डन सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रेषित किया जा रहा हैं।

यह कि, उपरोक्त वर्णित डॉ. बबलू कुमार सिंह द्वारा कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर स्वयं को केनेडियन मिशन, मालवा चर्च काउंसिल मसीही सेवा मण्डल का मॉडरेटर बताते हुए अवैध रूप से मेरे पक्षकारगण के स्वामित्व स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमियो को षड्यंत्र पूर्वक विक्रय कर मेरे पक्षकारगण के साथ धोखाधडी कर अपराध किया जा रहा हैं जिसके लिये मेरे पक्षकारगण द्वारा उक्त व्यक्ति के विरूद्ध सक्षम आपराधिक फोरम पर कार्यवाही की जा रही हैं।

यह कि, केनेडियन पादरी (केनेडियन मिशन) द्वारा वर्ष 1973 में उक्त सम्पूर्ण भूमिया रजिस्टर्ड अंतरण विलेख द्वारा अंतरित की जा चुकी हैं एवं केनेडियन मिशन की ओर से पूर्व में भी फर्जी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत वाद माननीय जिला जज महोदय द्वारा निरस्त किया जा चुका हैं तथा मालवा चर्च काउंसिल मसीही सेवा मण्डल द्वारा उक्त भूमियों के रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मेरे पक्षकारगण के पक्ष में वर्षों पूर्व सम्पादित कर दिये हैं।

यह कि, उक्त बबलूसिंह, सतीश जार्ज आदि के द्वारा शासकीय दस्तावेजों की कूटरचना कर अन्य लोगों के साथ मिलकर आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध कारित किया जा रहा हैं ऐसी स्थिति में उक्त आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के साथ मिलकर मेरे पक्षकारगण के स्वत्व की भूमियों का क्रय विक्रय में शामिल सभी व्यक्तियों के विरूद्ध मेरे पक्षकारगण आपराधिक प्रकरण संस्थित करा रहे हैं।

मेरे पक्षकारगण का उक्त भूमियों में पूर्ण स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य हैं उक्त भूमिया मेरे पक्षकारगण के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को अंतरण करने का अधिकार नही हैं तथा ऐसा कोई भी संव्यवहार अवैधानिक होकर मेरे पक्षकारों पर बंधनकारी नहीं हैं। सूचित हो। इति। दिनांक 08/08/2026

एडवोकेट संजय तिवारी एण्ड एसोसिएट्स
32/3, न्यू पलासिया इन्दौर मोबा. 9200092555, 9179718802

कार्यालय रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन नगर, जिला उज्जैन

क्रमांक/रीडर-1/2026/ H.N.1040 — **उज्जैन दिनांक: 06/08/2026**
प्रकरण क्रमांक 0017/बी-113/26-27
लोक न्यास का नाम-श्री मालवा कुल्मी पाटीदार श्रीराम मंदिर हनुमानगढ़ी उज्जैन
पंजीयन कमांक- 46

श्री मालवा कुल्मी पाटीदार श्रीराम मंदिर हनुमानगढ़ी उज्जैन
द्वारा सचिव श्री मनोहरलाल पिता अनोखीलाल पाटीदार
निवासी ग्राम राघौ पिपलिया, तहसील व जिला उज्जैन
------आवेदक

विरूद्ध
मध्यप्रदेश शासन

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मालवा कुल्मी पाटीदार श्रीराम मंदिर हनुमानगढ़ी उज्जैन द्वारा सचिव श्री मनोहरलाल पिता अनोखीलाल पाटीदार निवासी ग्राम राघौ पिपलिया, तहसील व जिला उज्जैन म.प्र. द्वारा म.प्र. लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-9 (1) के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर श्री मालवा कुल्मी पाटीदार श्रीराम मंदिर हनुमानगढ़ी न्यास, उज्जैन के अन्तर्गत ट्रस्टियों की मृत्यु/त्याग पत्र देने से एवं नवीन चयनित ट्रस्ट्रियों का ट्रस्ट पंजीयन रजिस्टर में दर्ज किये जाने का निवेदन किया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	पुराने ट्रस्टी बोर्ड सदस्य	पद	कारण
01	श्री बापूलाल पिता चौथमलजी, निवासी- ग्राम जावी, जिला नीमच	न्यासी	अस्वस्थ होने से
02	श्री शिवनारायण पिता नाथूलालजी, निवासी- ग्राम मुण्डला, तह. बदनावर, जिला धार	न्यासी	अस्वस्थ होने से

नवीन न्यासीगण

क्र.	नवीन ट्रस्टी बोर्ड सदस्य	पद
01	श्री दिनेशजी पिता शिवनारायणजी पाटीदार, निवासी- जनकपुर, जिला नीमच	न्यासी
02	श्री हरिनारायणजी पिता श्री दयारामजी पाटीदार, निवासी- मुण्डला, जिला धार	न्यासी
03	श्री तुलसीरामजी पिता श्री राधाकिशनजी, निवासी- जाटखेड़ी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल	न्यासी
04.	श्री पुरुषोत्तमजी पिता श्री रामप्रसादजी, निवासी- रापड़िया, तहसील हुजूर, जिला भोपाल	न्यासी
05.	श्री प्रकाशचन्द्रजी पिता श्री मदनलालजी, निवासी- खरसौदखुर्द, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन	न्यासी
06.	श्री मनोहरलालजी पिता श्री गेंदालालजी निवासी- जस्साखेड़ी, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन	न्यासी

अतः मैं रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट, जिला उज्जैन का लोक न्यासों का पंजीयन/परिवर्तन अपने न्यायालय में दिनांक 06/08/26 को मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 की धारा 09 (1) के द्वारा यथा अपेक्षित पंजीयन/परिवर्तन करना प्रस्तावित करता हूँ।

अतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि न्यास संपत्ति का कोई न्यासी या कार्यकारी न्यासी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति या सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात दिनांक 17/09/26 के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन मेरे समक्ष प्रस्तुत करना और मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक अथवा अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए।

रजिस्ट्रार ऑफ पब्लिक ट्रस्ट एवं अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग उज्जैन नगर

नवोदय में चयन पर पलक पांचाल का सम्मान

महिदपुर रोड। सरस्वती शिशु मंदिर झूटावद की छात्रा पलक गोपाल पांचाल का नवोदय विद्यालय में चयन होने पर उसका स्कूल मे विद्यालय संयोजक कांतिलाल जैन समिति सदस्य रमेश पोरवाल, गजेंद्र टेलर नागेश्वर पाटीदार डॉ. अर्जुन शर्मा की उपस्थिति में पलक तथा उसके पिता गोपाल पांचाल का दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। विद्यालय प्रधानाचार्य श्रवणसिंह राजावत तथा शिक्षक को ने हर्ष व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन श्रीराम कुमावत एवं अतिथि स्वागत दशरथ सिंह पंवार और दिनेश जाट द्वारा किया गया।

10 को कसारी से निकलेगी कावड़ यात्रा

महिदपुर रोड। आगामी सोमवार 10 अगस्त को ग्राम कसारी से नवग्रह मित्र मंडल झरादेश्वर महादेव मंदिर के लिये कावड़ यात्रा निकालेगा आयोजन समिति के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया ग्राम कसारी के नवग्रह मंदिर से प्रारंभ होने वाली यह कावड़ यात्रा विभिन्न महिदपुर रोड गोगापुर बरुखेड़ी आदि ग्रामों से होती हुई झरादेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। जहां ग्राम कसारी चौहान तथा कसारी हरोड के युवा शिव जी का जलाभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना करेंगे।

कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत आयोजित

खाचरोद। नगर के कांग्रेस कार्यालय में नव नियुक्त पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर आयोजित खाचरोद ब्लॉक की बैठक में सम्मिलित होकर संगठन के आगामी कार्यक्रमों, संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार, पूर्व विधायक दिलीप गुर्जर, विधानसभा प्रभारी परशुराम सिसोदिया, नगर परिषद अध्यक्ष गोविंद भरावा, जनपत अध्यक्ष प्रथ्वीराज सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष जीवन पाटीदार और मंडलम अध्यक्षगण और ब्लॉक खाचरोद के साथीगण उपस्थित रहे।

धरना प्रदर्शन से बात नहीं बनी तो किसानों ने किया चक्काजाम

बडौद। फसल बीमा सहित विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आज शुक्रवार को बडौद तहसील परिसर में किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान मंडी से रेली के रूप में तहसील प्रांगण पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग उठाई। करीब तीन घंटे से अधिक समय तक चले प्रदर्शन के दौरान प्रशासन और किसानों के बीच लगातार चर्चा का दौर चलता रहा लेकिन बात नई बनी तो किसानों ने डग रोड पर चाक्काजाम लगा दिया जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उन्हें शांतिपूर्वक समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने किसानों की मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए वार्ता जारी रखी। और कृषि विभाग के डीडी ने बडौद आकर किसानों से चर्चा की और 15 दिन में रिपोर्ट किसानों को उपलब्ध करा दी जाएगी आश्वाशन के बाद किसानों ने धरना प्रदर्शन खत्म किया! इस अवसर पर किसान संघ के पदाधिकारी और सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल ने रचा इतिहास

49 विद्यार्थी जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ बड़नगर

विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी शिक्षा के साथ साथ खेल प्रतियोगिताओं में भी अपने बेहतर प्रदर्शन से संपूर्ण विकासखंड स्तर पर विद्यालय एवं नगर का नाम गौरवान्वित कर रहे है। इस वर्ष भी विद्यालय के कुल 49 विद्यार्थियों ने विकासखंड स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर अपना स्थान पक्का किया।

बास्केट बॉल प्रतियोगिता अंडर 19 में आदित्य चौहान, हुसैन जागीरदार, अर्पित सोयल, अनुज झाला, गौरव खुटवाल अंडर 17- भव्य चौहान, सूरज गेहलोद अंडर -14 सूर्यपाल, वालीबॉल प्रतियोगिता अंडर 19 में हुसैन जागीरदार, गौरव खुटवाल, कृष्ण पंड्या, प्रथम जोशी, अर्पिता परमार अंडर 17- साजिद पटेल, राघव पोरवाल, अवनी यादव, समृद्धि नागर, वृंदा धाकड़, खुशी सोलंकी, विधि राणावत, 9 अंडर 14- लेख परमार, कार्तिक डोडिया, प्रीतम यादव, शतरंज प्रतियोगिता अंडर 19 में प्रभात हुटासन, मधुसूदन जादोन अंडर 17 में प्रभाकर बैरागी, खो - खो प्रतियोगिता अंडर 19 में अर्पित सोयल, रामनारायण चौधरी, अंशुल अंडर 17 में राजवीर गोसर, नेहा, सिया गुर्जर अंडर 14 में मोक्षिता राणावत, प्रांजल धाकड़, राजवीर डाबर, पृथ्वीराज सोलंकी, स्केटिंग प्रतियोगिता अंडर 14 में रुद्र सुनेल, क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर 19 में दिव्यांश, राघव, लक्षित अंडर 17 में आरव भावसार, प्रथम जाट, फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर 19 में गौरव खुटवाल, बैट मेंटेन प्रतियोगिता अंडर 17 में दिव्य राठौड़, वंशिका पाटीदार, गीतांशी, प्रकृति राठौड़, राघव, अयांश। इस तरह विभिन्न वर्गों की आयु के कुल 49 प्रतिभागी अब जिला स्तर पर आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में बड़नगर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

चयनित खिलाड़ियों को दी बधाई

चयनित खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर विद्यालय संचालक मनोज संगतानी निर्देशक विश्वास संगतानी, संस्था प्राचार्या इंदु पंजाबी ने जिला स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन की अग्रिम शुभकामना एवं बधाई दी। इस अवसर पर उप प्राचार्य घनश्याम तोलानी सहित समस्त स्टाफ के समस्त सदस्यों ने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष जताया है। उपरोक्त जानकारी संतोष खटोड़ द्वारा दी गई।

सौर ऊर्जा कंपनी पर मनमानी का आरोप, कार्य रोकने की मांग

बिना अनुमति सीमांकन व बाउंड्री निर्माण एवं ग्रामीणजनों से अभद्रता की शिकायत

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सुसनेर

ग्राम पंचायत कलारिया के अंतर्गत स्थित विरान गांव बीड़ माधोपुर में प्रस्तावित सौर ऊर्जा परियोजना को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्राम पंचायत कलारिया एवं ग्राम गुराड़ी के ग्रामीणों ने हावड सौर ऊर्जा कंपनी पर बिना वैधानिक अनुमति सीमांकन और बाउंड्री निर्माण कार्य शुरू करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी द्वारा सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने के लिए मौके पर सीमांकन एवं बाउंड्री निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जब ग्राम पंचायत ने कंपनी के अधिकारियों से आवश्यक अनुमति एवं स्वीकृतियों की जानकारी मांगी तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद भी कंपनी ने कार्य जारी रखा।

शिकायत के अनुसार कंपनी ने ड्रोन सर्वे के माध्यम से सीमांकन कर चिन्ह (चीरे) लगाने का कार्य शुरू किया जिसमें ग्राम गुराड़ी के कई किसानों की निजी भूमि के भीतर तक चिन्ह लगा दिए गए। भूमि स्वामियों ने जब इसका विरोध किया और बताया कि उन्होंने अपनी जमीन कंपनी को विक्रय नहीं की है, तब कंपनी के कर्मचारियों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किए जाने एवं धमकाने का आरोप लगाया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि किसी भी परियोजना के लिए संबंधित ग्राम पंचायत तथा सक्षम अधिकारियों की अनुमति आवश्यक होती है, लेकिन कंपनी ने नियमों की अनदेखी करते हुए दबंगई के साथ कार्य शुरू कर दिया। इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों एवं एसडीएम से मांग की है कि सौर ऊर्जा परियोजना के लिए किए जा रहे बाउंड्री निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो कंपनी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

महंगाई की मार से रसोई का बिगड़ा बजट

शक्कर 10 रुपये प्रति किलो महंगी, खाद्य तेल के दाम फिलहाल स्थिर

सीमित आय वाले परिवारों की बढ़ी चिंता

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सुसनेर

नगर में बढ़ती महंगाई का असर अब आम लोगों की रसोई तक साफ दिखाई देने लगा है। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से मध्यमवर्गीय और दिहाड़ी मजदूर परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। सबसे अधिक बढ़ोतरी शक्कर के दाम में देखने को मिली है जिससे घर-घर का खर्च बढ़ गया है।

स्थानीय बाजार में कुछ समय पहले तक शक्कर 45 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही थी। लेकिन अब इसका भाव बढ़कर 55 रुपये प्रति किलो हो गया है। यानी एक किलो शक्कर पर सीधे 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। घरों में रोजाना चाय, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में शक्कर का उपयोग होने के कारण इसका सीधा असर प्रत्येक परिवार के मासिक खर्च पर पड़ रहा है। स्थानीय किराना व्यापारी सोहेल मंसूरी ने बताया कि शक्कर के थोक भाव बढ़ने का असर खुदरा बाजार में भी देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि खाद्य तेल के दामों में भी कुछ समय पहले बढ़ोतरी हुई थी हालांकि वर्तमान में तेल के भाव स्थिर बने हुए हैं। इसके बावजूद पहले हुई बढ़ोतरी का असर उपभोक्ताओं पर अभी भी बना हुआ है।

महंगाई के कारण गृहिणियों को घरेलू बजट संतुलित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पहले जितनी राशि में महीनेभर का राशन आ जाता था, अब उसी सामान के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। सीमित आय वाले परिवारों के सामने आवश्यक जरूरतों को पूरा करना चुनौती बनता जा रहा है।

आज होगा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा का लोकार्पण

मंत्री नागर सिंह चौहान होंगे मुख्य अतिथि

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सुसनेर

नगर परिषद द्वारा पुराना बस स्टैंड स्थित नवनिर्मित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पर स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का विधिवत लोकार्पण 9 अगस्त को किया जाएगा। समारोह में मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्रतिमा के लोकार्पण को लेकर नगर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं और कार्यक्रम को भव्य बनाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। जानकारी के अनुसार मंत्री नागर सिंह चौहान के सुसनेर आगमन पर सबसे पहले नगर के एक मैरिज गार्डन में भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिले के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे, जहां संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद शाम करीब 5 बजे मंत्री चौहान अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पुराना बस स्टैंड पहुंचकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का लोकार्पण करेंगे। नगर परिषद द्वारा दीनदयाल उपाध्याय चौक का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। चौक पर भव्य प्रतिमा के साथ आधुनिक रंगीन फव्वारा, आकर्षक लाइटिंग, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य सौंदर्यीकरण कार्य किए गए हैं।

पुराना एबी रोड स्थित मुख्य मार्ग पर चक्काजाम

कृष्णपुरम मार्ग की उबड़खाबड़ सड़क को लेकर नपा परिषद के खिलाफ नारेबाजी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ ब्यावरा

राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में गुना बाईपास स्थित कृष्णपुरम मार्ग की खस्ता हालत होने के कारण राहगीरों एवं रहवासियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त मार्ग पर दो निजी स्कूल होने के कारण करीब दो हजार से अधिक विद्यार्थियों एवं वार्ड वासियों का प्रतिदिन आवागमन होता है इनमें कई छात्र छात्राएं उबड खाबड सड़क पर गिरकर घायल हो रहे है वहीं नन्हीं बच्चिया और उनके अभिभावक तथा रहवासी आए दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं।

नगर पालिका अधिकारियों ने जब कृष्णापुरम मार्ग का निरीक्षण किया तो उन्हें ना तो सड़के मिली ना ही नालियों की साफ सफाई जगह-जगह गड्ढे जिनमें पानी भरा हुआ आसपास जंगली जानवरों और कीड़े मकोड़ों का भय तथा बिजली, पानी आदि की विकट समस्याओ से वार्डवासियों ने अवगत कराया, कहां जाता है कि क्षेत्र के विकास पुरुष भी इसी वार्ड में रहते हैं। जिस वार्ड में विकास पुरुष रहते हो उसे वार्ड की यह दुर्दशा है तो पूरे प्रदेश की क्या हालत होगी अंदाजा लगाया जा सकता है।

15 दिन के अंदर मार्ग सुधारने की माँग

उक्त समस्याओं के चलते आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने पुराना एबी रोड स्थित मुख्य मार्ग पर चक्काजाम करते हुए नगर पालिका परिषद के खिलाफ नारेबाजी की तथा नगर पालिका इंजीनियर रूपेश नेताम को ज्ञापन सौंपते हुए 15 दिन के अंदर उक्त मार्ग का निर्माण कार्य चालू किया जाने की मांग की, यदि निर्माण कार्य चालू नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

तनोड़िया में संपन्न हुआ आगर जिले का पहला जनविश्वास शिविर

कलेक्टर से रूबरू संवाद में जल संकट और राजस्व से जुड़े मामलों पर ग्रामीणों ने उठाई आवाज

दैनिक अवन्तिका ▶▶ तनोडिया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रारंभ हुए प्रदेशव्यापी जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आगर जिले का पहला जनविश्वास शिविर तनोडिया ग्राम में संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। विभिन्न विभागों को प्राप्त जन समस्याओं का मौके पर ही निराकरण हेतु विभागों को निर्देशित किया गया। विधायक मधु गहलोत ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य गांव-गांव घर-घर पहुंचकर आमजन की समस्याओं का समाधान करना है।

इसी उद्देश्य से जनविश्वास शिविर के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने पिछले ढाई वर्षों में आगर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार हेतु स्वीकृत कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि नए सिंचाई जलाशयों से क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। विधायक ने 10 अगस्त को आगर में आयोजित 51 हजार कलश यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया तथा फसल नुकसानी पर किसानों को बीमा राशि एवं मुआवजा भुगतान के संबंध में मुख्यमंत्री से चर्चा कर समाधान कराने का विश्वास दिलाया।

जिप अध्यक्ष ने पेयजल समस्या उठाई कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मुन्ना बाई भैरूसिंह चौहान ने नगर में पेयजल की समस्या को प्रमुखता के साथ हल करने की बात अधिकारियों से कही, कार्यक्रम को पूर्व विधायक लाल राम मालवीय जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह एवं मोहनलाल मकवाना ने भी संबोधित कर क्षेत्र की समस्याएं एवं मांगें रखीं।

अधिकारियों ने कार्यवाही से अवगत कराया

शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही से अवगत कराया तथा विभागीय जनकल्याणकारी एवं हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी दी। शिविर के साथ आयोजित युवा संगम रोजगार मेले में दोपहर 2 बजे तक 280 से अधिक युवाओं ने रोजगार हेतु पंजीयन करवाया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने एसपी दिलीप सोनी एवं जिला अधिकारियों के साथ ग्राम का भ्रमण कर योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया।

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों को लेकर भाजपा ब्यावरा मंडल की बैठक संपन्न

ब्यावरा। भारतीय जनता पार्टी ब्यावरा मंडल की मासिक बैठक में हर घर तिरंगा अभियान ,संत रविदास महाराज की जन्म जयंती वर्ष को लेकर विधानसभा स्तरीय यात्रा और हर बूथ पर कार्यकर्ता अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम सहित आगामी संगठनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नारायण सिंह पंवार ने सहभागिता कर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संवाद किया तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री पंवार ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि अभियान को व्यापक जनसहभागिता के साथ सफल बनाते हुए प्रत्येक घर तक तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाएं। और बैठक को भाजपा जिला महामंत्री देवीसिंह सौधिया ने भी संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ता तैयार रहे और ज़िम्मेदारी से हर महीने होने वाली संगठन की बैठकों में शामिल हो। बैठक के दौरान आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, उनकी तैयारियों एवं कार्यकताओं की सहभागिता को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

सेन्ट मार्टिन के विद्यार्थियों ने बास्केटबॉल एवं फुटबॉल में भी दिखाया अपना जौहर

बड़नगर । विकासखण्ड स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन सेन्ट मार्टिन स्कूल के मैदान में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु अपना स्थान बनाया। विकास खण्ड क्रीड़ा अधिकारी जे पी यादव के निर्देशन में गुरुवार को सेन्ट मार्टिन स्थित बास्केटबॉल मैदान में बड़नगर ब्लॉक के विद्यालयों के विभिन्न आयु वर्ग के बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे से सेन्ट मार्टिन के 16 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता का अगला चरण जो कि जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी उसमे अपना स्थान सुनिश्चित किया। बालक अंडर 17 आयु वर्ग में एल्विन , नीरज , कुलदीप , आदित्य , नमन , नयन , मयूर , बालक अंडर 14 आयु वर्ग में दिव्यांश , शौर्य , आलोक , प्रिंस, लवेश, बालक अंडर 19 में पीयूष एवं बालिका अंडर 17 आयु वर्ग में कनक , देविका , हिमांशी का चयन हुआ । विद्यार्थियों के इस शानदार प्रदर्शन पर स्कूल संचालक फादर जॉर्ज , प्राचार्या जेनेट जॉर्ज , मेनेजर नवीन कुमार भगोरिया , शिक्षकों की ओर से जितेंद्र वर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी एवं अगले चरण में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले मे तहसील का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। यह जानकारी सेन्ट मार्टिन स्कूल के मेनेजर नवीन कुमार भगोरिया द्वारा दी गयी।

हिंद सांस्कृतिक मंच की कावड़ यात्रा को लेकर बैठक संपन्न

सनातन परंपरा के इस महाआयोजन के सहभागी बने-पूर्व विधायक शेखावत

खाचरौद। उज्जैन जिले कि खाचरौद-नागदा विधानसभा क्षेत्र कि सबसे बड़ी हिन्द सांस्कृतिक मंच के तत्वाधान में निकलने वाली कावड़ यात्रा को लेकर नगर के शिव भक्तों की एक बैठक नगर के लखेरवाडी क्षेत्र में संपन्न हुई। कावड़ यात्रा में शिव भक्तों के लिए व्यापक पैमाने पर तैयारी की रूपरेखा सहित अन्य व्यवस्था को लेकर बैठक में आए कार्यकताओं ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक हिंद सांस्कृतिक मंच संयोजक एवं पूर्व विधायक दिलीप सिंह शेखावत के तत्वाधान में संपन्न हुई। बैठक का प्रारंभ भगवान भोलेनाथ की पूजन अर्चना के साथ पूर्व विधायक शेखावत ने कर उपस्थित कार्यकताओं को बताया कि भगवान भोलेनाथ की भक्ति, आस्था, उत्साह से परिपूर्ण। इस पुण्य यात्रा में सम्मिलित होकर धर्म, संस्कृति, सनातन परंपरा के इस महाआयोजन के सहभागी हमें बनना है। यात्रा में हमें शिव भक्तों को बड़ी संख्या में यात्रा में हमें सहभागिता करवानी है। यात्रा नागदा चंबल तट स्थित मुक्तेश्वर महादेव मंदिर से 10 अगस्त सोमवार को प्रातः 9 बजे भगवान मुक्तेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर उज्जैन के राजा बाबा महाकाल के जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में शिव भक्त कंधों पर कावड़ लेकर निकलेंगे। कावड़ यात्रा को सफल बनाने एवं शिव भक्तों कि व्यवस्था के लिए बैठक में विचार विमर्श कर रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में बड़ी संख्या में नागरिक गण उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों के छात्र संघ के पदाधिकारियों ने ली पद दायित्व की शपथ ग्रहण

महिदपुर रोड ।ब्राइट स्टार एकेडमी स्कूल में छात्र संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ विधायक मालवीय ने पदाधिकारियों को जिम्मेदारी, अनुशासन, नेतृत्व एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में संचालक नरेंद्र अरोरा, अजीत बोथरा, सरपंच जीवन चौधरी, संतोष पोरवाल मनोज पोरवाल उपस्थित रहे अजीत बोथरा ने आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर बच्चे को बनाएं नन्हा देशभक्त

ये तैयारी जीत लेगी सभी का दिल

15 अगस्त के कार्यक्रम के लिए बच्चे को आरामदायक तिरंगा थीम वाली ड्रेस या पारंपरिक परिधान पहनाएं, साफ-सुथरे जूते, हल्की हेयर स्टाइल और जरूरत के अनुसार तिरंगा बैज या रिस्टबैंड लगाएं। यदि बच्चा भाषण, कविता या नृत्य में भाग ले रहा है, तो पहले से अभ्यास कराएं और कार्यक्रम के दिन उसे हल्का एवं पौष्टिक नाश्ता जरूर कराएं।

स्वतंत्रता दिवस हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान का पर्व है। 15 अगस्त के अवसर पर देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण और झांकी जैसे आयोजन किए जाते हैं। ऐसे में माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा न केवल सुंदर और आकर्षक दिखे, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर अपनी प्रस्तुति भी दे।

हालांकि, बच्चे की तैयारी केवल अच्छी ड्रेस पहनाने तक सीमित नहीं होती। सही परिधान, आरामदायक जूते, समय पर अभ्यास, संतुलित भोजन और सकारात्मक माहौल बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि बच्चा पहली बार मंच पर जा रहा है, तो उस पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उसे प्रोत्साहित करना अधिक जरूरी है।

अगर आपका बच्चा भी इस बार 15 अगस्त के कार्यक्रम में भाग लेने जा रहा है, तो कुछ आसान तैयारियां उसके अनुभव को और यादगार बना सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही उपयोगी टिप्स।

आरामदायक और आकर्षक ड्रेस चुनें

सफेद कुर्ता-पायजामा, तिरंगा थीम वाली टी-शर्ट या पारंपरिक भारतीय पोशाक अच्छा विकल्प हो सकती है। ड्रेस ऐसी हो जिसमें बच्चा आसानी से चल-फिर सके। मौसम के अनुसार हल्के और आरामदायक कपड़े चुनें।

कार्यक्रम के अनुसार तैयारी करें

यदि बच्चा भाषण, कविता, नृत्य या नाटक में भाग ले रहा है, रोज 10-15 मिनट अभ्यास कराएं। घर में परिवार के सामने प्रस्तुति देने का मौका दें। संवाद या कविता याद कराने के साथ उसका सही उच्चारण भी सिखाएं। मंच पर मुस्कुराने और स्पष्ट बोलने के लिए प्रेरित करें।

लुक को दें देशभक्ति का स्पर्श- तिरंगा बैज या रिबन लगाएं। लड़कियों के लिए तिरंगा रंग की हेयर एक्सेसरी चुन सकते हैं। लड़कों के लिए तिरंगा पॉकेट स्क्वायर या रिस्टबैंड अच्छा विकल्प हो सकता है। चेहरे पर रंग लगाने वाले उत्पाद केवल त्वचा के लिए सुरक्षित (स्किन-फ्रेंडली) हों।

कार्यक्रम वाले दिन रखें इन बातों का ध्यान- बच्चे को समय पर उठाएं। पौष्टिक नाश्ता जरूर कराएं। पानी की बोतल साथ रखें। स्कूल समय से पहले पहुंचें ताकि बच्चा सहज महसूस करे। ड्रेस, पिन, रुमाल और अन्य जरूरी सामान पहले से तैयार रखें।

झटपट बालीवुड

- **शाहरुख खान ब्रांड वैल्यू में नंबर-1-** शाहरुख खान ने विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए भारतीय सेलिब्रिटीज की ब्रांड वैल्यू रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया।
- **किंग के म्यूजिक राइट्स महंगे-** शाहरुख खान की फिल्म किंग के म्यूजिक राइट्स 45 करोड़ रुपए में बिकने की खबर है।
- **धुरंधर की डिटेलिंग पर 10 करोड़-** आर. माधवन ने बताया कि निर्देशक आदित्य धर ने धुरंधर की डिटेलिंग पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च किए।
- **हुमा कुरैशी की बयान चर्चा में-** हुमा कुरैशी की फिल्म बयान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में दिखाई जाएगी।
- **बाबिल खान का व्यस्त दौर-** इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने करियर के सबसे व्यस्त दौर के बारे में बात की और कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

बच्चा किताबों से दोस्ती करने लगेगा

आज के डिजिटल दौर में जहां बच्चों का अधिकतर समय मोबाइल, टीवी और वीडियो गेम में बीतता है, वहीं किताबों के प्रति उनकी रुचि कम होती जा रही है। ऐसे में लगभग हर माता-पिता की यही इच्छा होती है कि उनका बच्चा खुद से किताब उठाए, पढ़ने में आनंद महसूस करे और सीखने को केवल परीक्षा तक सीमित न समझे। हालांकि पढ़ने की आदत एक दिन में विकसित नहीं होती, बल्कि इसके लिए सही माहौल, नियमित अभ्यास और धैर्य की जरूरत होती है। यदि पढ़ाई को रोचक, व्यावहारिक और बच्चों की रुचि के अनुसार बनाया जाए, तो वे बिना किसी दबाव के सीखने लगते हैं और इसके लिए आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके अपनाने होंगे। किसी भी विषय को समझने की शुरूआत उसकी मजबूत नींव से होती है। यदि बच्चा शुरूआती अवधारणाओं को अच्छी तरह समझ लेता है, तो आगे की पढ़ाई उसके लिए आसान हो जाती है। इसलिए बच्चों को केवल रटने के बजाय विषय को समझने के लिए प्रेरित करें। कठिन बातों को सरल उदाहरणों, चित्रों और कहानियों के माध्यम से समझाएं।

रंग भरकर चित्र बनाओ

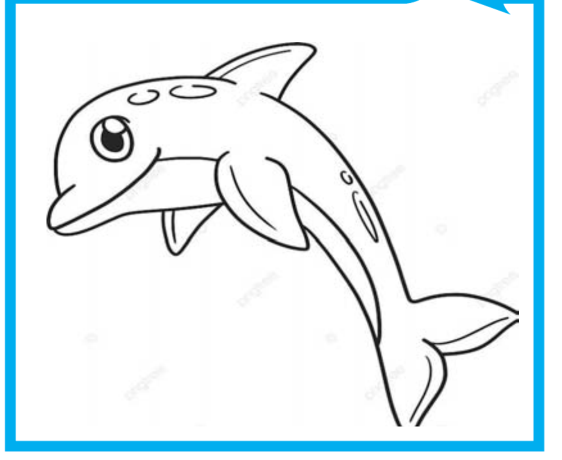

रास्ता खोजो

बिंदु जोड़कर चित्र बनाओ

जडेजा-कुलदीप और सुथार को 2-2 विकेट; गिल नहीं खेल रहे

श्रीलंका-11 वॉर्मअप मैच के पहले दिन बनाए 363 रन, तीन बैटर्स की फिफ्टी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-क ने पहले दिन 8 विकेट पर 363 रन बना लिए।

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम के लिए निशान मदुष्का (66), रविंदु रसान्था (71) और कप्तान सोनल दिनुशा (52) ने अर्धशतक लगाए।

दिन का खेल खत्म होने तक केशरा नुवांथा (9) और दिलुम सुदीरा (1) क्रीज पर मौजूद थे। भारतीय गेंदबाजों में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि गुरनूर बरार को एक विकेट मिला। पहला विकेट रनआउट के रूप में गिरा।

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इस मुकाबले में नहीं उतरे। बीसीसीआई के मुताबिक, गुरुवार के अभ्यास सत्र में उनके दाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया और उनकी जगह केएल राहुल ने टीम की कप्तानी संभाली।

श्रीलंका-11 की शुरूआत शानदार रही। निशान मदुष्का और रविंदु रसान्था ने पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। मदुष्का 65 गेंदों में 66 रन बनाकर रनआउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया।

इसके बाद रसान्था ने 143 गेंदों में 71 रन बनाए। उन्होंने पसिंदु सूरियाबंदारा (35) और पवन रत्नायके (39) के साथ साझेदारियां कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लंच तक श्रीलंका-कका स्कोर 1 विकेट पर 138 रन था। दूसरे सेशन में भारतीय स्पिनरों ने वापसी की। जडेजा ने पसिंदु सूरियाबंदारा को बोल्ड किया, जबकि मानव सुथार ने सेट बल्लेबाज रविंदु रसान्था को आउट कर बड़ी सफलता दिलाई।

गॉल टेस्ट के लिए भारत की स्पिन पर खास तैयारी

नई दिल्ली। श्रीलंका के स्पिनिंग ट्रैक पर जीत की तैयारी में भारतीय टीम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने कोलंबो में गॉल जैसी टूटी-फूटी पिच बनवाकर बल्लेबाजों को अभ्यास कराया। गंभीर का कहना है कि पहले टेस्ट की शुरूआत तक टीम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम मैच शुरू होने से 11 दिन पहले ही श्रीलंका पहुंच गई थी।

वर्ल्डकप की तैयारी में साउथ अफ्रीका-जिम्बाब्वे, नामीबिया दौरे पर जाएंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप की तैयारियों के तहत साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया अगले महीने नामीबिया में व्हाइट-बॉल सीरीज खेलेंगे। तीनों टीमों के बीच पहले टी-20 ट्राई सीरीज होगी, इसके बाद मेजबान नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। सभी मुकाबले विंडहोक के नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर होंगे। टी-20 ट्राई सीरीज की शुरूआत 28 अगस्त से होगी।

नैनो न्यूज

- **भारत का श्रीलंका से अभ्यास-** कोलंबो में भारत और श्रीलंका के बीच तीन दिवसीय अभ्यास मैच शुरू हुआ, टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी का मौका।
- **स्टार्क तोड़ेंगे कपिल का रिकॉर्ड-** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में कपिल देव और डेल स्टेन का विकेट रिकॉर्ड पीछे छोड़ने की दहलीज पर।
- **भारत के शटलर विश्व चैंपियनशिप में-** भारत में होने वाली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में चार भारतीय शटलर पहली बार उतरने को तैयार हैं।
- **हॉकी विश्व कप में नया रिकॉर्ड-**28 साल बाद हॉकी विश्व कप में पहली बार कोई भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी शामिल नहीं होगा।
- **भारत ने जीते 39 पदक-** ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित 39 पदक जीते।
- **महिला एशिया कप जल्द शुरू होगा-** महिला एशिया कप क्रिकेट का आयोजन 28 अगस्त से यूएई में शुरू होने की संभावना है, तैयारियां अंतिम चरण में।
- **पाकिस्तान खिलाड़ी पर दो साल प्रतिबंध-** पाकिस्तान के ऑलराउंडर हमजा नजीर को वीजा संबंधी गलत जानकारी देने पर दो साल के लिए प्रतिबंधित किया गया।
- फुटबॉल मैच में बिजली गिरी- थाईलैंड में फुटबॉल मुकाबले के दौरान बिजली गिरने से 24 वर्षीय खिलाड़ी की मौत की खबर सामने आई।

शाकिब की बांग्लादेश वापसी होगी या नहीं, शेख हसीना से रिश्ते और 2027 वर्ल्ड कप

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बांग्लादेश के सबसे बड़े क्रिकेटर शाकिब अल हसन एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार सुरक्षा की गारंटी दे तो वह बांग्लादेश लौटकर अदालत का सामना करने और 2027 वर्ल्ड कप खेलने के लिए तैयार हैं। दूसरी तरफ सरकार के कई मंत्री और क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी मानते हैं कि उनकी वापसी फिलहाल संभव नहीं है।

शाकिब अल हसन सिर्फ क्रिकेटर नहीं, बल्कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से सांसद भी रहे हैं। अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद उनके खिलाफ हत्या और भ्रष्टाचार समेत कई मामले दर्ज हुए। इसके बाद से वह अमेरिका में रह रहे हैं और बांग्लादेश नहीं लौटे। 39 साल के शाकिब की इच्छा है कि वह पहले बांग्लादेश में विदाई मैच खेलें और फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप में देश का प्रतिनिधित्व करें। लेकिन यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि उन्हें कानूनी राहत मिलती है या नहीं और सरकार उनकी वापसी की अनुमति देती है या नहीं। फिलहाल वह खुद भी मानते हैं कि उम्र उनके पक्ष में नहीं है और उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। बांग्लादेश के खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि उन्हें शाकिब की वापसी की संभावना नहीं दिखती। क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों का भी मानना है कि मौजूदा राजनीतिक हालात में उनकी वापसी आसान नहीं होगी।

क्या शाकिब पर लगे आरोप गंभीर हैं?

शाकिब के खिलाफ दर्ज सबसे चर्चित मामला हत्या का है। हालांकि उनका कहना है कि जिस दिन हत्या हुई, उस समय वह कनाडा के टोरंटो में क्रिकेट मैच खेल रहे थे। उन्होंने कहा है कि अगर सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे तो वह देश लौटकर अदालत में पेश होंगे और सभी कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करेंगे। सबसे बड़ी बाधा क्रिकेट नहीं, बल्कि राजनीति है। हाल ही में शाकिब ने शेख हसीना की ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया और कहा कि कप्तान जो कहेंगी, हम वही करेंगे। उन्होंने अवामी लीग से दूरी बनाने से भी इनकार किया। इसके कुछ समय बाद उनके घर पर हमला भी हुआ। इससे साफ है कि उनकी राजनीतिक पहचान अभी भी विवाद का केंद्र बनी हुई है।

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent
Middle School, Bhairavgar

जमीन बेचना है
ग्राम सुमराखेड़ा (तहसील तराना) में मेन रोड से एक खेत छोड़कर रेल पटरी से दक्षिण दिशा में भूमि खेत साढ़े तीन बीघा एवं बिड़ ढाई बीघा बेचना है।
संपर्क करें
940 6801069

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

किराए से देना है
ऑफिस किराए से देना है सी/21 नानाखेड़ा बस स्टैंड के सामने श्रीगंगा के ऊपर प्रथम मंजिल फ्रंट साईड लगभग 500 वर्ग फिट फाइनेंस कंपनी,या मोबाईल कंपनी को प्राथमिकता दी जावेगी
संपर्क करें - रवि गुप्ता
9926466157

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोन: 7869850570
9827832632

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की
(अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय
10 से 01 बजे तक
आवेदन: 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल
36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बर:-2557390

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए।
नोट: इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी
मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

न्यूज कॉलम

कियोस्क संचालक से डकैती करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

धार। धार जिले की राजगढ़ पुलिस ने कियोस्क संचालक से हुई डकैती का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लैपटॉप, फिंगरप्रिंट स्कैनर और नकदी सहित करीब 40 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त 2026 की शाम करीब 6 बजे राजगढ़-तिरला मार्ग स्थित ग्राम छढ़ावद में कियोस्क संचालक रवि पिता हरिसिंह राठौड़ से डकैती की गई थी। घटना के बाद राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने एक विशेष टीम बनाकर घटनास्थल और आसपास के तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। क्राइम टीम की मदद से संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया।

मॉडल स्कूल के प्राचार्य के समर्थन में आए स्टूडेंट्स

धार। मॉडल स्कूल सरदारपुर के विद्यार्थियों ने मंगलवार को प्राचार्य के समर्थन में नगर में रैली निकाली। छात्र एसडीएम कार्यालय पहुंचे और करीब एक घंटे तक धरना दिया। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की समझाइश के बाद एसडीएम के आश्वासन पर छात्र वापस स्कूल लौटे। विद्यार्थी मॉडल स्कूल के प्राचार्य कामेश सतपुड़ा के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे थे। छात्रों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा प्राचार्य के खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाए गए हैं, जिनसे विद्यालय का शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है और प्राचार्य की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है।

अवैध संबंधों के शक में घर में घुसकर हत्या

झाबुआ। झाबुआ जिले के पेटलावद थाना क्षेत्र में हुए हरिराम गेहलोत हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बोलेरो वाहन, हथियार और कपड़े भी जब्त कर लिए हैं। अटल बस्ती पेटलावद निवासी भुलीबाई ने 2 अगस्त 2026 की रात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि देवा सिंगाड़ और उसके साथियों ने घर में घुसकर धुलेट (धार) निवासी हरिराम गेहलोत के साथ मारपीट की। गंभीर चोटें आने से हरिराम की मौके पर ही मौत हो गई थी। आरोपियों ने मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।

पेटलावद को मिला 7.95 करोड़ का नया तहसील भवन

मंत्री भूरिया ने किया शुभारंभ, स्व-सहायता समूहों और उद्यमियों को बांटे ऋण स्वीकृति पत्र

झाबुआ। झाबुआ जिले के पेटलावद में 7 करोड़ 95 लाख 82 हजार रुपए से बने नवनिर्मित तहसील कार्यालय भवन का महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने नए भवन के कक्षों का निरीक्षण कर अभिलेखों के सुरक्षित संधारण और आधुनिकीकरण की सराहना की। कार्यक्रम में मंत्री भूरिया ने स्थानीय उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया और पात्र हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार महिलाओं व युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। समारोह में स्व-सहायता समूहों की महिला हितग्राही फुला जगराम और लक्ष्मी प्रजापत ने पशुपालन व व्यवसाय से मिली आर्थिक मजबूती की जानकारी साझा की। वहीं, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत 5 लाख का लोन लेकर व्यवसाय शुरू करने वाले भारत अग्रवाल ने बताया कि वे वर्तमान में 5 महिलाओं को रोजगार दे रहे हैं। आयोजन के दौरान कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, जिला पंचायत सीईओ जितेंद्र सिंह चौहान, एसडीएम पेटलावद तनुश्री मीणा और अपर कलेक्टर सी.एस. सोलंकी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नैनो न्यूज

- **इंदौर में रियल एस्टेट की मांग मजबूत–** 2026 में सुपर कॉरिडोर, विजय नगर, अइ रोड-बायपास, निपानिया-बिचौली मदार्ना और राऊ प्रमुख रियल एस्टेट हब के रूप में उभर रहे हैं।
- **वाणिज्यिक प्रॉपर्टी में बढ़ती रुचि –** इंदौर को 2026 में ऐसे टियर-2 शहरों में गिना जा रहा है जहां ऑफिस, रिटेल, वेयरहाउस और छोटे व्यवसायों की कमर्शियल मांग बढ़ रही है।
- **हेटिच का नया प्लांट –** जर्मन फर्नीचर-फिटिंग कंपनी हेटिच ने इंदौर में नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू किया है और भारत को अपने वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है।
- इंदौर एसईजेड के निर्यात में गिरावट – इंदौर रऐ से एफ 25 में निर्यात 9 प्रतिशत से अधिक घटकर 12,948 करोड़ रुपये रहा।
- **सयाजी होटल्स का कारोबार बढ़ा –** जून 2026 तिमाही में सयाजी होटल्स की बिक्री 11.62 प्रतिशत बढ़कर 26.52 करोड़ हुई, हालांकि शुद्ध मुनाफा 11.73प्रतिशत घटकर 1.58 करोड़ रहा।

ठेकेदारों की ब्लैकलिस्टिंग पर हाईकोर्ट की बड़ी व्यवस्था, सीधे हाईकोर्ट में दी जा सकेगी चुनौती

ब्लैकलिस्टिंग को महज ठेका विवाद नहीं, प्रशासनिक कार्रवाई माना

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

ठेकेदारों और कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने के मामलों में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की 5 न्यायाधीशों वाली लार्जर बेंच ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था दी है। बेंच ने 4:1 के बहुमत से स्पष्ट किया कि किसी ठेकेदार या कंपनी को ब्लैकलिस्ट करना केवल अनुबंध से जुड़ा विवाद नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक कार्रवाई है, इसलिए ऐसे आदेश को संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के तहत हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।

इंदौर के एक ठेकेदार को करीब 60 लाख रुपए के निर्माण ठेके से जुड़े मामले में ब्लैकलिस्ट किए जाने के बाद यह विवाद हाईकोर्ट की लार्जर बेंच के सामने पहुंचा था। लंबी सुनवाई के बाद बेंच ने 262 पन्नों का फैसला सुनाया है।

2020 में नगर निगम ने ठेका रद्द कर किया था ब्लैकलिस्ट– इंदौर नगर निगम द्वारा सांवेर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-21 स्थित

अमरापुरी में सीसी रोड निर्माण के लिए दिए गए करीब 60 लाख रुपए के ठेके से जुड़ा है। ठेका नितिन इंटरप्राइजेस को दिया गया था। नवंबर 2020 में नगर निगम ने ठेका निरस्त कर दिया। निगम का आरोप था कि सांवेर विधानसभा उपचुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद ठेकेदार ने निर्माण कार्य कराया और अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया।

हाईकोर्ट ने ब्लैकलिस्टिंग के गंभीर परिणामों को भी रेखांकित किया। किसी कंपनी या ठेकेदार के ब्लैकलिस्ट होने पर उसके लिए भविष्य में सरकारी ठेके हासिल करने के रास्ते बंद हो सकते हैं। इससे उसकी बाजार में साख और व्यावसायिक अवसर प्रभावित होते हैं। कोर्ट के अनुसार इसका नुकसान केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं आंका जा सकता। ब्लैकलिस्टिंग किसी कंपनी की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है और कई मामलों में उसके कारोबार पर भी बड़ा असर डाल सकती है।

हालांकि बेंच ने यह स्पष्ट किया कि ब्लैकलिस्टिंग से जुड़ा हर मामला स्वतः हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए स्वीकार नहीं होगा। प्रत्येक याचिका के तथ्यों और परिस्थितियों को देखकर न्यायिक हस्तक्षेप का निर्णय लिया जाएगा। हाईकोर्ट विशेष रूप से ऐसे मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है, जहां– ठेकेदार को अपना पक्ष रखने का उचित अवसर नहीं दिया गया हो। कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत हुई हो। किसी नागरिक या कंपनी के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो। ब्लैकलिस्टिंग का आदेश ऐसे अधिकारी ने जारी किया हो, जिसके पास इसका अधिकार नहीं था। कार्रवाई मनमाने या अनुचित आधार पर की गई हो।

दो पुराने फैसलों में अलग-अलग राय से बना था कानूनी पेच

ब्लैकलिस्टिंग से जुड़े मामलों में हाईकोर्ट के दो पुराने फैसलों में अलग-अलग कानूनी दृष्टिकोण सामने आए थे। वीवा हाईवेज मामले में कहा था कि ठेकेदार ब्लैकलिस्टिंग के खिलाफ सीधे हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है। वहीं गौरी गणेश मामले में माना गया था कि ऐसे विवादों को मध्यप्रदेश मध्यस्थता अधिकरण अधिनियम, 1983 के तहत ट्रिब्यूनल के समक्ष ले जाया जाना चाहिए। दोनों फैसलों के बीच स्थिति स्पष्ट करने के लिए सितंबर 2024 में पांच न्यायाधीशों की लार्जर बेंच गठित की गई थी। लार्जर बेंच ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया, न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर, न्यायमूर्ति विनय सराफ और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी बहुमत के पक्ष में रहे। वहीं न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने बहुमत की राय से असहमति जताई।

निगम ने तीन कार्रवाई की

- ठेका निरस्त किया।
- कंपनी को तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया।
- करीब ढाई लाख रुपए की बैंक गारंटी जब्त कर ली।
- नितिन लोदवाल ने एडवोकेट अमित मिश्रा के माध्यम से इन कार्रवाइयों को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने आरोपी को किया गिरफ्तार, रकम मांगने पर जान से मारने की दी धमकी

डीलरशिप दिलाने के नाम पर 1 करोड़ की ठगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

गुजरात क्षेत्र की डीलरशिप/डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने का झांसा देकर 1 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में क्राइम ब्रांच इंदौर ने 74 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मनोहरलाल गुप्ता पिता स्व. उमाशंकर गुप्ता, निवासी जानकी नगर एक्सटेंशन, भंवरकुआं, इंदौर के रूप में हुई है।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी इंदौर स्थित आई.एच.एल. मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड और इन्फुटेक

हेल्थकेयर लिमिटेड में डायरेक्टर/मुख्य संचालक के रूप में काम करता है। क्राइम ब्रांच फरार आरोपी बेटे की तलाश कर रही है।

50-50 लाख रुपए जमा करवाए

- डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, गुजरात के झालोद, जिला दाहोद निवासी कमलेश अग्रवाल ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि आरोपियों ने गुजरात क्षेत्र की डीलर/डिस्ट्रीब्यूटरशिप देने का प्रलोभन देकर 50-50 लाख रुपए, यानी कुल 1 करोड़ रुपए जमा करवाए।
- शिकायतकर्ता के मुताबिक शुरूआत में जुलाई 2022 तक डिस्ट्रीब्यूटर मार्जिन मनी के रूप में करीब 28.50 लाख रुपए दिए गए। इसके बाद आरोपियों ने न तो मार्जिन मनी का भुगतान किया, न व्यापार के लिए माल उपलब्ध कराया और न ही मूल राशि वापस की।

ड्रग्स तस्करी मामले में आरोपी गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग्स की तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राकेश (49) पिता मनोहर लाल तंवर निवासी समाजवादी इंद्रानगर इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक राकेश प्रॉपर्टी ब्रोकिंग का काम करता है और 12वीं तक पढ़ा है।

क्राइम ब्रांच ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में पहले चिराग पिता यशवीर सिंह (25) को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 10.10 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी कीमत करीब 1.10 लाख रुपए, और होंडा एक्टिवा कीमत करीब 50 हजार रुपए जब्त की गई थी। कुल जब्ती करीब 1.60 लाख रुपए की थी। जांच के दौरान राकेश की भूमिका सामने आई। क्राइम ब्रांच के मुताबिक वह घटना के बाद से वह फरार था। मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने उसे गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अब राकेश से एमडी ड्रग्स के स्त्रोत, सप्लायर और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के आधार पर मामले में आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिला

ट्रेन की चपेट में आने से शरीर दो हिस्सों में बंटा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर शनिवार को एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिला। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया। टक्कर के कारण युवक की कमर के नीचे का हिस्सा और ऊपरी धड़ पूरी तरह अलग हो गए थे, जबकि शरीर के कई अन्य अंग भी ट्रैक के आसपास बिखर गए।

घटना की सूचना मिलते ही जूनी इंदौर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भिजवाया। शव की हालत इतनी गंभीर थी कि उसे तीन अलग-अलग पोटलियों में बांधकर अस्पताल ले जाना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन से कटने का लग रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज, मोबाइल या पहचान पत्र नहीं मिला है, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस आसपास के लोगों और रेलवे ट्रैक के किनारे रहने वालों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

बंगाली से पलासिया के बीच 5 हजार मकानों के नीचे से गुजरेगी टनल

चिंतित रहवासी मेट्रो के जीएम आरएस राजपूत से मिलने पहुंचे और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

छोटा गणपति (मल्हारगंज) में मेट्रो के अंडरग्राउंड स्टेशन की खुदाई से डरे रहवासियों के बीच अब बंगाली चौराहे से पलासिया के बीच बन रहे नए अलाइनमेंट ने हड़कंप मचा दिया है।

अब तक बताया जा रहा था कि अंडरग्राउंड ट्रैक कनाड़िया रोड के समानांतर गुजरेगा। हालांकि, हाल ही में वंदना नगर, गोयल नगर, साईंनाथ कॉलोनी, तिलक नगर और संविद नगर में मेट्रो द्वारा शुरू किए गए मिट्टी परीक्षण (सॉइल टेस्टिंग) से रहवासी भयभीत हैं।

- **ऐसा रहेगा रूटः** बंगाली से पलासिया पुलिस लाइन तक टनल
- मेट्रो के जीएम ने रहवासियों को अलाइनमेंट की जानकारी देते हुए बताया–
- **1. पहला अंडरग्राउंड स्टेशन :** खजराना के बाद बंगाली चौराहे पर बनेगा। **रूट का कर्वः** बंगाली चौराहे से मेट्रो कनाड़िया रोड छोड़कर लंबा टर्न लेगी।
- **प्रभावित कॉलोनियांः** में शकुंतला हॉस्पिटल, गोयल नगर से होती हुई साईंनाथ कॉलोनी, वंदना नगर, तिलक नगर, पत्रकार कॉलोनी के मकानों के नीचे से गुजरेगी।
- **2. दूसरा अंडरग्राउंड स्टेशनः** रवींद्र नगर गायत्री मंदिर के आगे पलासिया पुलिस लाइन के समीप बनेगा। यहां से एमजी रोड जाएगी।

अंडरग्राउंड टनल कनाड़िया रोड के नीचे से न जाकर सघन कॉलोनियों और हजारों मकानों के नीचे से गुजरने की तैयारी में है। इससे चिंतित रहवासी मेट्रो के जीएम आरएस राजपूत से मिलने पहुंचे और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। रहवासियों का तर्क है कि जब 200 फीट चौड़ी रोड उपलब्ध है, तो 2 से 3 हजार मकानों की नींव और ट्यूबवेल को खतरे में क्यों डाला जा रहा है?

इंस्ट्राग्राम पर थाईलैंड ट्रिप का विज्ञापन देखकर बुकिंग करने पर 36 हजार की ठगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र में रहने वाली एक युवती को इंस्ट्राग्राम पर थाईलैंड ट्रिप का विज्ञापन देखकर बुकिंग करना महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने कम किराए में थाईलैंड के फुकेट की ट्रिप और इंडिगो के साथ कोलैबोरेशन का झांसा देकर युवती से करीब 43 हजार रुपए ऐंठ लिए। 6 जुलाई को जब युवती इंदौर एयरपोर्ट पहुंची तो टिकट इनवैलिड निकला। इसके बाद ठगों के मोबाइल नंबर बंद हो गए।

एरोड्रम पुलिस के अनुसार पूर्वा सिंह निजी कंपनी में काम करती हैं। उन्होंने इंस्ट्राग्राम पर द टूरिंग साइट्स नाम से ट्रिप का विज्ञापन देखा था। इसके बाद 19 अप्रैल को उनके पास वॉट्सएप पर मैसेज आया। इसमें थाईलैंड ट्रिप की जानकारी और चार्ज बताए गए। अधिक राशि होने पर पूर्वा ने ट्रिप लेने से इनकार कर दिया।

इसके बाद आरोपियों ने उन्हें कम कीमत वाली ट्रिप का ऑफर दिया। युवती ने कंपनी से ट्रिप की डिटेल मांगी। आरोपियों की बातों पर भरोसा कर उन्होंने थाईलैंड के फुकेट जाने के लिए करीब 36 हजार रुपए में बुकिंग कराने की सहमति दे दी।

जब पूर्वा ने इतनी कम कीमत में ट्रिप मिलने पर संदेह जताया तो आरोपियों ने कहा कि उनकी कंपनी का इंडिगो फ्लाइट के साथ कोलैबोरेशन है। इसके बाद भुगतान के लिए लव गुप्ता नाम के व्यक्ति का बैंक अकाउंट दिया गया।

घायल पड़े व्यक्ति को महिला आरक्षक ने फर्स्ट एड किट से दिया प्राथमिक उपचार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

यातायात व्यवस्था संभालने के साथ इंदौर पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया। कलश चौराहा, परदेशीपुरा क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल होकर रोड पर पड़े व्यक्ति को देखकर यातायात पुलिस की महिला आरक्षक अरुणा ठाकरे ने तत्काल मदद की। उन्होंने अपनी गाड़ी रोकी और घायल के पास पहुंचकर उनकी स्थिति देखी।

जानकारी के मुताबिक, महिला आरक्षक अरुणा ठाकरे वहां से गुजर रही थीं। इसी दौरान उनकी नजर सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति पर पड़ी। उन्होंने बिना समय गंवाए मौके पर रुककर घायल की मदद शुरू की। उनके पास मौजूद फर्स्ट एड किट से घायल को प्राथमिक उपचार दिया। साथ ही उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। महिला आरक्षक की त्वरित कार्रवाई से घायल व्यक्ति को मौके पर ही तत्काल राहत मिली। हादसे के बाद सड़क पर घायल अवस्था में पड़े व्यक्ति के लिए समय पर मिली यह मदद काफी महत्वपूर्ण रही। मौके पर मौजूद लोगों ने भी महिला आरक्षक की तत्परता की सराहना की।

यातायात पुलिस की ड्यूटी के दौरान अरुणा ठाकरे ने न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाई, बल्कि संवेदनशीलता और मानवीयता का भी परिचय दिया। पुलिसकर्मी की इस पहल ने यह संदेश दिया कि वर्दी में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी के साथ जरूरतमंद की मदद करना भी पुलिस के सामाजिक दायित्व का हिस्सा है।

छात्र की बचाई थी जान

पिछले दिनों अपने घर लौट रहे दो स्टूडेंट्स में से पीछे बैठा एक स्टूडेंट अचानक चलती बाईक से रोड पर गिर गया और बेहोश हो गया था। राऊ के प्रधान आरक्षक बलराम चौहान और थाना राजेंद्र नगर के आरक्षक राहुल बोर्डिया एवं विवेक प्रजापति ने घायल स्टूडेंट को देखा तो तुरंत सीपीआर दिया था और उसे अस्पताल में भर्ती किया गया था।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com